UPHIN/2011/39718
(डिजिटल संस्करण)
बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
तेज न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-221 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 24 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

सीएम योगी ने जताया भरोसा, गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद देगी यूपी सरकार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है.

उन्होंने कहा कि पैसों की कमी की वजह से किसी भी मरीज का इलाज नहीं रुकेगा. इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की शिकायतों का जल्द से जल्द, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से समाधान किया जाए. गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की. उन्होंने सभी की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए. योगी ने साफ कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हर जरूरतमंद के साथ संवेदनशील व्यवहार किया जाए। खासकर राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों का समय पर निपटारा हो. वहीं, पारिवारिक विवादों में पहले आपसी बातचीत से समाधान निकालने की कोशिश की जाए और जरूरत पड़ने पर ही कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि हर शिकायत का समाधान ऐसा होना चाहिए जिससे लोगों को संतुष्टि मिले. जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने भी पहुंचे थे. इस पर मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार इलाज का खर्च उठाने के लिए तैयार है. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों का जल्द आकलन कर शासन को भेजा जाए, ताकि बिना देरी के आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके. इसके साथ ही उन्होंने सभी पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाने पर भी जोर दिया, ताकि भविष्य में इलाज के दौरान उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े.जनता दर्शन के बाद एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर भी निशाना साधा. उन्होंने समाजवादी पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि जो लोग कभी राम मंदिर निर्माण का विरोध करते थे, वही आज आस्था की बात कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में त्योहारों के दौरान अक्सर दंगे और अशांति होती थी, जबकि अब कानून-व्यवस्था बेहतर हुई है और लोग शांतिपूर्ण माहौल में अपने धार्मिक पर्व मना रहे हैं. इस दौरान मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 995 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 14 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया.

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों के साथ-साथ जनता की समस्याओं के समाधान और बेहतर कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दे रही है.

योगी सरकार का बड़ा तोहफा, इन लोगों को मिलेगा 5 लाख तक कैशलेस इलाज, 26 जुलाई से शुरू होगी योजना

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को और आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है, जिसका फायदा लाखों लोगों को होने वाला है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के वित्त विहीन माध्यमिक स्कूलों में काम कर रहे 3.50 लाख शिक्षकों को अब मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा मिलने जा रही है.इस योजना की खास बात ये है कि पात्र शिक्षकों और उनके परिवार के सदस्यों को एक साल में 5 लाख रुपये तक का कैशलेस मेडिकल सुविधा मिलेगी. सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक परेशानियों के कारण किसी शिक्षक या उसका परिवार बेहतर इलाज से दूर न रह जाए.

- राम मंदिर को कब मिलेगा नया ष्टश्वह्र ट्रस्ट ने बताई अगली बैठक की तारीख, एक पद के लिए आए हैं 5200 आवेदन

26 जुलाई से शुरू होगी मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना की शुरुआत 26 जुलाई को होगी. इसके बाद प्रदेशभर के पात्र शिक्षक इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे. योजना के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने जरूरी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं, ताकि शिक्षकों का पंजीकरण और वेरीफिकेशन प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके. वित्त विहीन माध्यमिक स्कूलों में पढ़ा रहे शिक्षक खुद और अपने परिवार के सदस्यों की जानकारी दर्ज कर योजना के लिए आवेदन कर सकेंगे. आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्रता की जांच की जाएगी और सफल सत्यापन के बाद कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी. बता दें कि यूपी में करीब 25 हजार वित्त विहीन माध्यमिक स्कूलों में 3.50 लाख शिक्षक पढ़ा रहे हैं. इस सरकारी योजना का लाभ उठाने के लिए शिक्षकों को निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा. आवेदन के दौरान शिक्षक को अपना और परिवार के सदस्यों से जुड़ी जरूरी जानकारी आधार कार्ड के अनुसार भरनी होगी. रजिस्ट्रेशन के बाद पहली जांच संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा की जाएगी. प्रधानाचार्य यह सुनिश्चित करेंगे कि शिक्षक विद्यालय में नियमानुसार नियुक्त हैं और लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं या नहीं. इसके बाद आवेदन जिला विद्यालय निरीक्षक के पास वेरीफाई और मंजूरी के लिए भेजा जाएगा. जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सभी जानकारी सही पाए जाने के बाद आवेदन को मंजूरी दी जाएगी. इसके बाद शिक्षक और उनके परिवार को योजना के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा मिल सकेगी.

जालौन जनपद में हुआ बेशर्मीभरा काण्ड

(यंग भारत न्यूज)

जालौन में पूर्व ग्राम प्रधान वीर सिंह ने मारपीट, लूट और अपमान के गंभीर आरोप लगाए। निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग, न्याय न मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी।

'वो मुझे मार डालेगी, बचा लो', 1 साल की लव मैरिज-दहशत में पति, बीएफ के चंगुल में पत्नी

(यंग भारत न्यूज)

मुझे डर है कि मेरी पत्नी और उसका प्रेमी मिलकर मुझे मार डालेंगे। साहब, बचा लो मुझे।'...यह गुहार यूपी के मेरठ निवासी एक पति की पुलिस अफसरों से की है। मात्र एक साल पुरानी लव मैरिज अब हत्या की साजिश, धमकियों और कानूनी लड़ाई में बदल गई है। पीड़ित पति का आरोप है कि उसकी पत्नी किसी अन्य युवक के चक्कर में है और दोनों मिलकर उसे रास्ते से हटाने की प्लानिंग कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उसने अपने शिकायती पत्र में यह भी बताया कि आजकल पतियों की हत्याएं हो रही हैं, कृपया मुझे बचा लीजिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है। आइए विस्तार से जानते हैं कि पति को क्या-क्या डर सता रहा है

मामला मेरठ की सूर्योदय कॉलोनी का है। यहां का निवासी करण (काल्पनिक नाम) एक फूड डिलीवरी कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करता है। उसकी शादी 22 जून 2025 को मेडिकल थाना क्षेत्र की एक युवती श्वेता (काल्पनिक नाम) से लव मैरिज हुई थी। शुरुआत में सब ठीक था, लेकिन शादी के कुछ महीनों बाद रिश्तों में दरार पड़नी शुरू हो गई। आरोप है कि पत्नी अक्सर एक युवक से फोन पर लंबी बातें करती थी। जब पति करण ने आपत्ति जताई तो घर में तनाव बढ़ने लगा। आए दिन झगड़े शुरू हो गए। पत्नी ने घर छोड़ दिया और अब कथित प्रेमी के साथ मिलकर युवक को जान से मारने की धमकियां दे रही है। पत्नी ने जहरीला पदार्थ पीकर खुद को नुकसान पहुंचाने और परिवार को फंसाने की कोशिश की। आजतक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ित पति का आरोप है कि उसके खिलाफ दहेज उत्पीड़न का झूठा केस दर्ज कराया गया। इतना ही नहीं, आरोप यह भी है कि बीती 14 जुलाई को पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति के साथ मारपीट भी की। 17 जुलाई को पति ने अपनी पत्नी को एक अज्ञात युवक के साथ बाइक पर देखा। उसने वीडियो बनाया। कुछ दूर जाकर दोनों का एक्सीडेंट हो गया और वे भाग निकले। पीड़ित पति ने पुलिस को शिकायत में कहा कि उसके खिलाफ पहले से दहेज का केस होने के कारण उसकी शिकायत पर गंभीरता नहीं बरती जा रही। उसने सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उसने हाल के दिनों में पतियों की हत्या जैसे मामलों का जिक्र करते हुए अपनी जान का डर जताया है। मेरठ के सीओ सिविल लाइन विश्व ज्योति राय ने बताया कि युवक ने प्रार्थना पत्र दिया है। इसमें पत्नी पर मारपीट और हत्या की आशंका जताई गई है। मेडिकल थाने को जांच सौंपी गई है। दोनों पक्षों से पूछताछ के बाद आगे कार्रवाई होगी

कुठौंद थाने के कोतवाल रहते हुए अरूण राय की आवास में गोली मारकर हत्या का बहुचर्चित मामला

विवेचक ने चलाया वर्दीवाद बन गया जमानत का रास्ता

- हत्या के आरोप में 07 माह से जेल में बंद महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा अब हो जायेगी रिहा
- कमजोर विवेचना को जानकार बता रहे हैं पुलिस का पक्षपात
- विवेचक ने एक सुसाइड नोट पेश किया मगर उसमें लिखे तथ्यों की विवेचना बिना किए छोड़ दी
- बस यहीं बन गया आरोपी मीनाक्षी शर्मा को जमानत देने का रास्ता

(यंग भारत न्यूज-प्रयागराज ब्यूरो)

उरई। जालौन के चर्चित इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय हत्याकांड में आरोपी महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने मामले के गुण-दोष के आधार पर उनकी जमानत याचिका स्वीकार कर ली। करीब सात माह से न्यायिक हिरासत में बंद मीनाक्षी शर्मा की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें झांसी जेल से रिहा किया जाएगा।

गौरतलब है कि 5 दिसंबर को कुठौंद थाने में तैनात इंस्पेक्टर अरुण कुमार राय की गोली लगने से मृत्यु हो गई थी। घटना के अगले दिन उनकी पत्नी माया राय की तहरीर पर महिला सिपाही मीनाक्षी शर्मा के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने विवेचना के बाद 7 दिसंबर को उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बाद में जिला कारागार में विवाद के चलते उनका स्थानांतरण झांसी जेल कर दिया गया, जहां वह अब तक निरुद्ध थीं। मीनाक्षी शर्मा की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में पहली सुनवाई 4 मई 2026 को हुई थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने 22 जुलाई को मेरिट के आधार पर जमानत मंजूर कर ली। हालांकि, मामले की सुनवाई निचली अदालत में पूर्ववत जारी रहेगी और दोषी अथवा निर्दोष होने का अंतिम निर्णय ट्रायल कोर्ट साक्ष्यों एवं कानूनी प्रक्रिया के आधार पर करेगा। कानूनी जानकारों के अनुसार, जमानत मिलने का अर्थ आरोपों से बरी होना नहीं है। मुकदमे का अंतिम फैसला ट्रायल पूरा होने और सभी साक्ष्यों के परीक्षण के बाद ही अदालत द्वारा सुनाया जाएगा।

प्यार, फरेब और मौत का खेलः जब हमसफर ही बन गए 'जल्लाद', केतन अग्रवाल से लेकर नीले ड्रम तक... झकझोर देंगी ये दास्तानें!

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली: पिछले डेढ़-दो साल में देश में कुछ ऐसे हत्याकांड सामने आए हैं, जिन्होंने लोगों को झकझोर कर रख दिया। इन मामलों में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि आरोप किसी बाहरी अपराधी पर नहीं, बल्कि पत्नी, मंगेतर या प्रेमिका पर लगे। जिन रिश्तों को भरोसे का प्रतीक माना जाता है, वहीं हत्या जैसा जघन्य अपराध किया गया हैं। और न केवल हत्या, बल्कि ऐसी हत्या जहां बैठकर हाथों से अपने प्रेमी, पति या मंगेतर को तड़पा-तड़पाकर मौत दी गई है।

हाल ही में, पुणे के कारोबारी केतन अग्रवाल मामले ने फिर ऐसी घटनाओं को चर्चा में ला दिया है। पुलिस का दावा है कि उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी ने ट्रेकिंग के दौरान उन्हें खाई में धक्का देकर मारने की साजिश रची। शुरुआत में इसे हादसा माना गया था, लेकिन जांच में हत्या का एंगल सामने आया है। वहीं केतन के पिता का कहना है कि अगर मेरे बेटे के साथ उसे नहीं रहना था तो कह देती लेकिन उसे मारा क्यों? इसी बेबसी भरी पंक्ति से अपराध की क्रुरता का पता चलता है। आइए, जानें ऐसे कितने और केस हैं जहां पार्टनर ने ही अपने हाथ खून से रंगे... पुणे के 26 वर्षीय कारोबारी केतन अग्रवाल की मौत पहले ट्रेकिंग हादसा मानी गई थी। लेकिन पुलिस जांच में दावा किया गया कि उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी ने लोहागढ़ किले पर ट्रेक के दौरान उन्हें 400 फीट गहरी खाई में धक्का देकर मारने की साजिश रची। दोनों को गिरफ्तार किया गया और मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया।

सौरभ राजपूत 'नीला ड्रम' केस (2025, मेरठ)

मेरठ के पूर्व मर्चेंट नेवी अधिकारी सौरभ राजपूत की हत्या के आरोप उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके कथित प्रेमी साहिल शुक्ला पर लगे। पुलिस के अनुसार हत्या के बाद शव के टुकड़े किए गए और उन्हें सीमेंट से भरे नीले ड्रम में छिपा दिया गया। इस मामले ने अपनी क्रूरता के कारण पूरे देश को झकझोर दिया था।

राजा रघुवंशी हनीमून मर्डर केस (2025, मेघालय)

इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की शादी के कुछ दिनों बाद हनीमून के दौरान हत्या कर दी गई। मेघालय पुलिस के अनुसार उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी ने कथित प्रेमी राज कुशवाह और अन्य लोगों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। इस मामले में कई गिरफ्तारियां हुईं और यह 2025 के सबसे चर्चित अपराध मामलों में शामिल रहा।

भूमिपूजन के बाद नगर में 44 लाख की सीसी सड़क का निर्माण शुरू

-पालिकाध्यक्ष ने भूमिपूजन कर सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र करने के निर्देश दिए

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर में गांधी नगर मुहल्ले की लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़ी सीसी सड़क निर्माण परियोजना आखिरकार शुरू हो गई। गुरुवार दोपहर पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने विधि-विधान से भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। भूमि पूजन के तुरंत बाद सड़क निर्माण का काम भी शुरू कर दिया गया, जिससे क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई।गौरतलब है कि गांधी नगर में करीब 44 लाख रुपये की लागत से 280 मीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण प्रस्तावित है। सड़क निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी और कार्य आदेश भी जारी कर दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। इस देरी को लेकर स्थानीय सभासद महेंद्र कुशवाहा ने संबंधित अधिकारियों से शिकायत की थी। मामला प्रमुखता से सामने आने के बाद नगर पालिका प्रशासन हरकत में आया और परियोजना पर काम शुरू करा दिया गया।भूमि पूजन के दौरान पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि नगर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर में स्वीकृत सभी विकास परियोजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूरा कराया जाएगा। साथ ही मौके पर मौजूद अधिकारियों और ठेकेदार को निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने तथा मानकों के अनुरूप कार्य कराने के निर्देश दिए।निर्माण कार्य शुरू होने से गांधी नगर के लोगों ने राहत की सांस ली है। स्थानीय बाशिंदो का कहना है कि वर्षों से जर्जर सड़क और बरसात के दौरान जलभराव के कारण आवागमन में भारी परेशानी होती थी।अब सीसी सड़क बनने से न केवल आवाजाही आसान होगी, बल्कि बारिश के मौसम में होने वाली दिक्कतों से भी काफी राहत मिलेगी।भूमि पूजन कार्यक्रम में ठेकेदार हिमांशु गुप्ता, नगर पालिका के जूनियर इंजीनियर अरुण कुमार, सभासद महेंद्र कुशवाहा, सभासद प्रतिनिधि अशोक गुर्जर, देवेंद्र गुर्जर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। लोगों ने उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा होगा और गांधी नगर को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी।

शासन की योजनाओं और कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए गांवों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। डिजिटल युग में शासन की योजनाओं और कार्य में पारदर्शिता लाने के लिए गांवों के व्हाट्सएप गुंप बनाकर उस पर सूचनाएं उपलब्ध कराने की मांग ग्रामीण ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर की है।

कुठौंदा बुजुर्ग निवासी ग्रामीण गजेंद्र सिंह सेंगर ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वर्तमान में केंद्र व प्रदेश सरकार जहां एक तरफ हर स्तर पर तकनीकी पारदर्शिता और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी इस व्यवस्था को लागू करने में कतरा रहे हैं। उन्होंने बतारया कि आज हर हाथ में मोबाइल है। लोग व्हाट्सएप एवं अन्य सोशल मीडिया एप से जुड़े हुए हैं। तहसील और विकास खंड स्तर पर जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए एक आधिकारिक 'डिजिटल संचार व्यवस्था' जैसे व्हाट्सएप ग्रुप या अन्य कोई माध्यम से शुरू की जाए। प्रत्येक गांव के लिए अलग ग्रुप बनाया जाए और उसमें ग्रामीणों को जोड़ा जाए। शासन की किसी योजना की जानकारी, पात्र और अपात्र व्यक्तियों की सूची आदि उस पर भेजी जाए। इससे सभी ग्रामीणों को इन योजनाओं की जानकारी होगी, पात्र और अपात्र व्यक्तियों की पहचान भी हो सकेगी। इस व्यवस्था से पारदर्शिता आना सुनिश्चित है। शिकायतों के निस्तारण के संबंध में भी ग्रामीणों को इसी पर अवगत कराया जा सकता है। यदि किसी ग्रामीण की कोई शिकायत तो वह ग्रुप पर भेजकर अपनी शिकायत का समाधान भी करा सकता है। हालांकि प्रदेश सरकार द्वारा कुछ पोर्टल चलाए जा रहे हैं लेकिन उनमें पारदर्शिता अभाव रहता है। उन्होंने तहसील स्तर पर ऐसे ग्रुप का संचालन कराने की मांग की है।

चकरोड को जबरन तोड़कर खेतों में मिला लेने की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। चकरोड को जबरन तोड़कर खेतों में मिला लेने की शिकायत पीड़ित किसानों ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर की है। किसानों ने डीएम से चकरोड को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम भिटारा निवासी किसान मूलचरन साहू, भोपत, बृजमोहन, शिवमोहन, महेंद्र, मनोज कुंमार, राघवेंद्र सिंह आदि ने डीएम राजेश पांडेय को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि उनके खेत मौजा लौना में स्थित है। उनके खेतों तक पहुंचने के लिए चकरोड संख्या 561 है। लेकिन इस चकरोड पर आसपास के किसानों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है और चकरोड को तोड़कर अपने खेतों में मिला लिया है। जिन किसानों के आगे खेत हैं, वह उन्हें निकलने भी नहीं दे रहे हैं। निकलने पर लड़ाई, झगड़े पर आमादा हो जाते हैं। किसान अपने खेतों में कृषि उपकरण भी नहीं ले जा पा रहे हैं। चकरोड को खाली करने की बात कहने पर मारपीट पर आमादा हो जाते हैं। पीड़ित किसानों ने डीएम से चकरोड को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है।

बिल दुरुस्त कराने गए युवक ने एसडीओ पर गाली गलौज, मारपीट व सुविधाशुल्क मांगने का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

कोंच चंदकुआ स्थित विद्युत विभाग कार्यालय में बिजली बिल सही कराने पहुंचे एक युवक ने एसडीओ समेत तीन कर्मचारियों पर रिश्वत मांगने, जातिसूचक गालियां देने, मारपीट करने और मोबाइल तोड़ने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की शिकायत कोतवाली में देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पनयारा निवासी रवि कुमार ने प्रार्थनापत्र में बताया कि वह सोलर प्लांट के माध्यम से चक्की संचालित करता है, इसके बावजूद उसका बिजली बिल अधिक आने पर वह गुरुवार दोपहर विद्युत विभाग के एसडीओ धर्मेन्द्र कुमार के पास कार्यालय पहुंचा।शिकायतकर्ता का आरोप है कि बिल ठीक कराने की बात कहने पर एसडीओ ने हर माह पैसे देने और 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। रवि ने बताया कि जब उसने बातचीत मोबाइल में रिकॉर्ड करनी शुरू की तो एसडीओ भड़क गए और तकनीशियन देवेन्द्र सिंह तथा संविदाकर्मी प्रदीप सिंह के साथ मिलकर जातिसूचक गालियां देने लगे इतना ही नही सभी ने कमरा बंद कर मारपीट की और उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया।पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके 35 हजार रुपये भी कार्यालय में कहीं गुम हो गए। शोर सुनकर उसके साथ आए रविशंकर ने उसे बचाया। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली। फिलहाल पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर रही है।वही घटना के संबंध मे जब एसडीओ धर्मेंद्र कुमार से जानकारी हासिल की तो उन्होने कहा कि इस तरह की कोई घटना नही हुई है उन्होने बताया कि शिकायतकर्ता बिल लेकर आफिस में आया तथा आवेश में आकर कहने लगा कि हमारा बिल इतना अधिक क्यो आया है जिस उसे बताया गया कि शासन से ही लोड बढाया गया है हम नही बता सकते है।वाकी उरई जाकर जानकारी कर लो।इस बात पर वह भड़क गया तथा वीडियो बनाने लगा जब आफिस के कर्मचारी ने वीडियो बनाने से मना किया तो झगड़ा करने लगा।एसडीओ ने बताया कि शिकायतकर्ता का एक माह मे दो यूनिट बिजली खपत का बिल आया है इसकी जांच की जाएगी।उन्होने बताया आफिस में आकर अनावश्यक उत्पात करने पर उक्त के खिलाफ कोतवाली पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर कार्रवाई की मांग की गयी है।

क़ानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के उद्देश्य से 14 उप निरीक्षकों को किया इधर से उधर

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पुलिस अधीक्षक जनपद जालौन द्वारा जनपद की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने एवं अपराध नियंत्रण हेतु उप निरीक्षकगण/आरक्षियों का स्थानान्तरण किया गया।इन में उ0नि0 अमित कुमार चतुर्वेदी चौकी प्रभारी मण्डी कोत0 उरई से पुलिस लाइन, उ0नि0 रमाशंकर तिवारी चौकी प्रभारी तिलक नगर कोत0 उरई से चौकी प्रभारी मण्डी कोत0 उरई,उ0नि0 वीरेन्द्र बहादुर सिंह पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी तिलक नगर कोत0 उरई, उ0नि0 सुशील कुमार चौकी प्रभारी भेड़ थाना कोंच से थाना डकोरउ0नि0 विनीत कुमार थाना डकोर से चौकी प्रभारी भेड़ थाना कोंच,उ0नि0 सुरेशचन्द्र राजपूत पुलिस लाइन से थाना रामपुरा,उ0नि0 अनुपम मिश्रा पुलिस लाइन से व0उ0नि0 थाना कोटरा, उ0नि0 नागेन्द्र सिंह थाना कोटरा से अभियोजन कार्यालय,उ0नि0 विश्वनाथ सिंह पुलिस लाइन से थाना कोटरा, उ0नि0 अमीर सिंह थाना रामपुरा से पुलिस लाइन, उ0नि0 अरूण कुमार सिंह पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी बंगरा कोत0 माधौगढ़, उ0नि0 सुरेन्द्र कुमार चौ0 प्र0 बंगरा थाना माधौगढ़ से पुलिस लाइन, उ0नि0 दुर्वीन सिंह पुलिस लाइन से थाना माधौगढ़, आ0 667 अंकित सविता वीआईपी सेल से अपर पुलिस अधीक्षक पेशी में भेजा गया हैं,

तीन मासूम बच्चों के साथ डीएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठा मजदूर, लापता पत्नी की बरामदगी की लगाई गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उरई कोतवाली क्षेत्र के रहिया गांव निवासी श्रमिक ऋषि राज अपनी तीन मासूम संतानों के साथ गुरुवार को जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गया। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी अनीता उर्फ ममता (32) बीते 11 अप्रैल से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है, लेकिन तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक उसका कोई सुराग नहीं लगा सकी है।

ऋषि राज ने बताया कि पत्नी के लापता होने के बाद उसने रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित स्थानों पर काफी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उसने उरई कोतवाली में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की, परंतु अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। पीड़ित का आरोप है कि उसकी पत्नी का क्षेत्र के एक युवक से संपर्क था, जिसकी जानकारी भी उसने पुलिस को दी और जांच में उस पहलू को शामिल करने का अनुरोध किया, लेकिन इस दिशा में गंभीरता से कार्रवाई नहीं की गई। उसका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी जांच होती तो पत्नी का पता लगाया जा सकता था। आर्थिक तंगी, पारिवारिक जिम्मेदारियों और मानसिक तनाव से जूझ रहा ऋषि राज अब अपनी तीन मासूम संतानों के साथ न्याय की गुहार लगा रहा है। बच्चों के सिर से मां का साया हटने के बाद परिवार पूरी तरह बिखर गया है। पीड़ित ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर पत्नी की सकुशल बरामदगी की मांग की है।

(नोट: यह समाचार उपलब्ध जानकारी और पीड़ित के आरोपों पर आधारित है। मामले में पुलिस का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाना चाहिए।)

कर्मचारियों को दिया गया जनगणना का प्रशिक्षण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। गुरुवार को भारत की जनगणना 2027 का प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला गणना अधिकारी रश्मि तथा प्रशिक्षक संजीव श्रीवास्तव की मौजूदगी में आयोजित किया गया। इस मौके पर बैठक में मौजूद लेखपालों तथा कर्मचारियों का ग्राम निर्देशो के लिए जिला जनगणना हस्त पुस्तिका का वितरण किया गया।

तहसील सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में नायब तहसीलदार प्रिंस सिंह राजपूत की मौजूदगी में जिला जनगणना अधिकारी एवं प्रशिक्षक रश्मि ने लेखपालों तथा जनगणना कर्मचारियों को अवगत कराया है कि ग्राम निर्देशिका से संबंधित आंकड़ों का संकलन प्रत्येक ग्राम के लिए नामित ग्राम स्तरीय अधिकारी के द्वारा किया जाएगा। अनुसूची में की गई सभी प्रविष्टियों की प्रमाणिकता शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए चार्ज स्तर पर सावधानी पूर्वक सत्यापन किया जाना अनिवार्य होगा। ग्राम निर्देशिका अनुसूची में सभी संख्यात्मक प्रविष्टियां केवल अरबी अंकों (1 2 3 4 5) आदि में ही अंकित की जाएगी। ग्राम निर्देशिका अनुसूची में संकलित समस्त जानकारी 31 दिसंबर 2025 संदर्भ तिथि के अनुसार दर्ज की जाएगी। राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, प्रमोद दुबे, प्रमोद कुमार, राघवेंद्र निरंजन, जितेंद्र सिंह, योगेश कुमार समेत जनगणना कर्मचारी मौजूद रहे।

वारंटी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

उरई। वांछित/वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना सिरसाकलार व कुठौन्द पुलिस द्वारा क्रमशः वारंटी समरथ पुत्र रामरतन काछी निवासी ग्राम सिम्हारा कासिमपुर व पीयूष प्रताप सिंह उर्फ रोहित पुत्र रविन्द्र सिंह राठौर निवासी ग्राम मालपुर थाना कुठौन्द जनपद जालौन को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी ।

एसडीएम ने इंजीनियरों संग नवनिर्मित सड़कों का किया निरीक्षण

निर्माण कार्य की गुणवत्ता परखी, ग्रामीणों से भी ली जानकारी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। जिला प्रशासन के निर्देश पर कदौरा विकास खंड क्षेत्र में हाल ही में निर्मित ग्रामीण संपर्क मार्गों का उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने विभागीय अभियंताओं के साथ स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता का परीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की बारीकी से जांच करते हुए संबन्धित अधिकारियों से जानकारी हासिल की।

विदित हो कि कार्यदायी संस्था द्वारा हाल ही में हरचंदपुर-निस्वापुर मार्ग, लमसर-गरेंही मार्ग तथा ताहरपुर मार्ग का निर्माण कराया गया है। इन सड़कों की गुणवत्ता की जांच के लिए एसडीएम विनय कुमार मौर्य, सहायक अभियंता एवं जूनियर इंजीनियरों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सड़क निर्माण की गुणवत्ता का निरीक्षण किया और विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने क्षेत्रीय ग्रामीणों से भी बातचीत कर सड़कों के निर्माण कार्य के संबंध में उनकी राय जानी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिये। जिससे ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल सके।

ट्रेक्टर कर की टक्कर में कार सवार गंभीर रूप से घायल, मेडीकल कालेज रिफर

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को पचीपुरी गांव के पास हुए सड़क हादसे में एक कार सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि कार में सवार अन्य परिजनों को भी चोटें आईं। सूचना मिलते ही 112 पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।जानकारी के अनुसार, पहाड़पुरा थाना क्षेत्र के निवासी इंद्रपाल निरंजन पुत्र छोटेलाल अपने परिवार के साथ एक त्रयोदशी भोज पहाड़पुरा कार्यक्रम में शामिल होने के बाद ग्वालियर लौट रहे थे। उनके बेटे विष्णुपाल ग्वालियर में नौकरी करते हैं और पूरा परिवार वहीं निवास करता है। कार में इंद्रपाल के साथ नाती प्रत्युष उम्र 16 वर्ष, बहू प्रियंका उम्र 38 वर्ष, नातिन अभिप्रिया उम्र 17 वर्ष सहित बेटा विष्णु उम्र 43 वर्ष भी मौजूद थे।बताया गया कि जब उनकी कार कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पचीपुरी के पास पहुंची, तभी सामने चल रहे एक ट्रैक्टर की ट्रॉली से कार की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। हादसे में इंद्रपाल निरंजन को गंभीर चोटें आईं, जबकि अन्य परिजनों को हल्की चोटें लगीं।दुर्घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची 112 पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।अस्पताल में उपस्थित डॉ. गौरव शर्मा ने सभी घायलो का प्राथमिक उपचार किया। इंद्रपाल की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया जबकि अन्य घायलों का उपचार अस्पताल में किया गया।हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने वाहन को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

एसडीएम ने पीसीएफ खाद वितरण केंद्र का औचक निरीक्षण कर कमियां दूर करने के निर्देश दिए

(यंग भारत न्यूज)

कोंच किसानो को समय से अच्छी खाद मिले इसी के चलते उपजीलाधिकारी अभिनव कुमार ने पीसीएफ खाद वितरण केंद्र मंडी स्थल का औचक निरीक्षण कर वहां उपस्थित केंद्र प्रभारी को निर्देश दिए कि खाद लेने आने बाले किसान को उचित एवं अच्छी खाद मिले उन्होने कहा किसी भी किसान को बेबजह परेशान न किया जाए अगर किसान परेशान होकर मेरे पास आता है तो ठीक नही होगा।निरीक्षण के दौरान एसडीएम को तमाम खामियां मिली जिस पर उन्होने केंद्र प्रभारी को खामियां तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।एसडीएम ने केंद्र की साफ-सफाई व किसानो को बैठने,पीने के पानी की उचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।वही उन्होने किसानो से कहा कि खाद खरीद केंद्र पर अगर किसी प्रकार की परेशानी हो तो हमे बताए उसका समाधान किया जाएगा।

नातिन पर लगाया अज्ञात लोगो कौ साथ घर में घुसकर चोरी करने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नातिन पर अज्ञात लोगों के साथ मिलकर घर में से क़रीब 15 लाख रूपये कीमत के सोने चांदी के जेवरात चोरी कर लेने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला गांधीनगर सिंह वाहिनी मंदिर के पास रहने वाले कालीचरण पुत्र मंटोले ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि गत दिनों पूर्व वह पत्नी सहित बाहर गए हुए थे और घर पर उसकी नातिन अकेली मौजूद थी। बाहर से लौटकर जब वह घर वापस आया तो नातिन ने गेट नहीं खोला। उसने पुलिस से इसकी शिकायत की जिसके बाद पुलिस के कहने पर गेट खोला गया। शिकायती पत्र में उसने बताया कि घर के अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखे बक्शा का ताला टूटा हुआ पड़ा था और उसमें रखे करीब 15 से 16 लाख रुपए कीमत के सोने चांदी के जेवरात गायब थे। पूछने पर नातिन का कहना है कि उसे कुछ पता नहीं है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि अज्ञात लोगों के साथ मिलकर नातिन ने ही जेवरात चोरी किए हैं और नातिन उसे व उसकी पत्नी की जान लेकर मकान को हड़पना चाहती है। मामले में शिकायतकर्ता कालीचरण ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

जंतर-मंतर पर छात्रो पर हुए लाठीचार्ज के विरोध मे सपा,कांग्रेस कार्यकर्ता उतरे सड़को पर

जुलूस निकालकर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को नगर में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तिरंगा झंडा और विभिन्न मांगों से जुड़े बैनर लेकर नगर में पैदल मार्च निकाला तथा केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।विरोध मार्च जुलूस सरोजिनी नायडू पार्क से प्रारंभ हुआ।वहां से छात्र और कार्यकर्ता नगर के प्रमुख मार्ग होते हुए चंदकुआं चौराहे पर पहुंचे। पूरे रास्ते प्रदर्शनकारियों ने छात्रों के समर्थन में नारे लगाए और कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों पर बल प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि छात्रों को अपनी मांग रखने का संवैधानिक अधिकार है और उनकी आवाज को दबाने के लिए बल प्रयोग किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने जंतर-मंतर की घटना की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने और छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द उचित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन में उपस्थित समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर ने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाना लोकतंत्र के लिए खतरा है और विपक्ष इस मुद्दे को लगातार उठाता रहेगा। पूरे प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में सपा और कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए चंदकुआं चौराहे सहित प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। हालांकि प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा और किसी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। प्रदर्शन में सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष रामानंद कुशवाहा, सभाषद रघुवीर कुशवाहा,कांग्रेस नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी,सभासद महेंद्र कुशवाहा, रवि यादव, रामकिशोर पुरोहित,लकी दुबे,अंकित, आज़ादउद्दीन सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित हुए। प्रदर्शन के समापन पर सभी ने छात्रों के समर्थन में संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर तैयारियां तेज

इंदिरा स्टेडियम में करेंगे-जनसभा, 12.11 करोड़ की लागत से निर्मित नवनिर्मित तहसील भवन का भी करेंगे लोकार्पण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 25 जुलाई को प्रस्तावित जनपद दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री कालपी रोड स्थित इंदिरा स्टेडियम, उरई में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह जनपद जालौन के लिए करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जिला मुख्यालय उरई में 12 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवनिर्मित तहसील भवन का लोकार्पण भी प्रस्तावित है। तहसील भवन के लोकार्पण के बाद इसे आम जनता के लिए समर्पित कर दिया जाएगा। नवनिर्मित तहसील भवन के शुरू होने का लोगों को काफी समय से इंतजार था। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए नवनिर्मित तहसील भवन को सजाने-संवारने का काम भी युद्धस्तर पर चल रहा है। निर्माण कार्यदायी संस्था के परियोजना प्रबंधक, जेई समेत संबंधित अधिकारी और कर्मचारी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। जिला प्रशासन की ओर से कार्यक्रम स्थल सहित तहसील भवन पर सुरक्षा, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री के हाथों नवनिर्मित तहसील भवन का लोकार्पण होने के बाद आम जनता को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर भारतीय मानवाधिकार परिषद ने उठाई आवाज

- संगठन के जिला प्रभारी संजीव दीक्षित ने सहयोगियों के एडीएम को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय मानवाधिकार परिषद के जिला प्रभारी संजीव दीक्षित एडवोकेट ने अपने संगठन के साथियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंच कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा।

जिसमें जिला कार्यकारिणी की ओर से छात्रों के हित में विभिन्न मांगों को लेकर शासन-प्रशासन से तत्काल आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। 23 जुलाई 2026 को जारी पत्र में पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कठोर कानून बनाने, दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने तथा परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। पत्र में एनटीए की संरचना एवं पुनर्गठन की समीक्षा करने, परीक्षा केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने की मांग की गई। साथ ही पेपर लीक से प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने, दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्रवाई करने की बात कही गई। परिषद ने आवेदन शुल्क की वापसी एवं आर्थिक सहायता की मांग करते हुए कहा कि पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने से प्रभावित अभ्यर्थियों को आवेदन शुल्क वापस किया जाए तथा प्रभावित छात्रों को उचित मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क पुनर्परीक्षा की व्यवस्था करने, सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में आधुनिक तकनीक के साथ सुरक्षित एवं जवाबदेह परीक्षा प्रणाली लागू करने की मांग की गई। पत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर पर निःशुल्क काउंसलिंग एवं परामर्श केंद्र स्थापित किए जाने की मांग भी की गई। परिषद ने कहा कि देश का युवा केवल न्याय और अपनी मेहनत के सम्मान की उम्मीद करता है। यदि प्रतिभा का स्थान अनियमितता और प्रशासनिक लापरवाही ले लेगी तो देश की नींव कमजोर होगी। परिषद ने शासन से छात्रों और उनके परिवारों की समस्याओं पर तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की।

ग्राम पंचायत रोमई मुस्तकिल में राशन की दुकान की लेकर खुली बैठक का हुआ आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। विकास खण्ड कुठौंद की ग्राम पंचायत रोमई मुस्तकिल में कई वर्षों से संचालित खाद्य सामग्री राशन की दुकान अनुशासन हीनता के चलते लगभग 4 माह पूर्व निरस्त हो चुकी है। जिसके सम्बन्ध में खुली बैठक को लेकर पूरे गांव में मुनादी कर्ता संतराम याज्ञिक के द्वारा डुग्गी बजाकर मुनादी की गई। इसके बाद बैठक का आयोजन ग्राम पंचायत सचिवालय में ए डी ओ पंचायत ब्रजेन्द्र कुमार तिवारी के द्वारा की गई। जिसमें ए डी ओ पंचायत ने समस्त ग्रामवासियों की मौजूदगी में यह प्रस्ताव रखा गया। कि खाद्य सामग्री राशन की दुकान का आवंटन 30 जुलाई 026को ग्राम पंचायत कार्यकारिणी तथा ग्राम वासियों की मौजूदगी में खुली बैठक में खाद्य सामग्री राशन की दुकान को आवंटित किया जाएगा। इसलिए ग्राम पंचायत में रहने वाले इच्छुक व्यक्ति खाद्य सामग्री वितरण राशन की दुकान के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान व वर्तमान प्रशासक विनोद कुमार राठौर के द्वारा अवगत कराया गया कि जो इच्छुक व्यक्ति खाद्य सामग्री राशन की दुकान लेना चाहता हैं। वे लोग अपना आवेदन ग्राम पंचायत सचिवालय पर आकर जमा कर सकते हैं। जिससे आवंटित प्रक्रिया को सरलता एवं सुगमता मिल सके। इस बैठक में मौजूद आजीविका मिशन विकास खण्ड कुठौंद के कर्मचारीगण तथा ग्रामीण भी उपस्थिति रहे।

कुठौंद पुलिस ने एनबीडब्ल्यू में काफी दिनों से फरार चल रहे अभियुक्त को क्या गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद (जालौन): कुठौंद थाना क्षेत्र अंतर्गत-पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कुठौंद पुलिस टीम ने न्यायालय से काफी दिनों से फरार चल रहे अभियुक्त पीयूष प्रताप सिंह उर्फ रोहित पुत्र रविंद्र सिंह राठौर निवासी मालपुर थाना कुठौंद जनपद जालौन उम्र करीब 27 वर्ष को दिनांक 23.7.2026 को अभियुक्त के घर के दरवाजे से गिरफ्तार कर लिया

पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी जालौन के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक जगदम्बा प्रसाद दुबे कुठौंद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त पीयूष प्रताप सिंह उर्फ रोहित पुत्र रविंद्र सिंह राठौर निवासी मालपुर थाना कुठौंद जनपद जालौन उम्र 27 वर्ष जो काफी समय से एनबीडब्ल्यू में वांछित चल रहा था अभियुक्त के खिलाफ थाना स्थानीय में स्ज्ञ 64 / 19 अपराध संख्या 74 / 19 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में पंजीकृत था जबकि अभियुक्त के खिलाफ स्थानीय थाना में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं इस सफल कारवाई में उप निरीक्षक हर्षवर्धन त्रिपाठी कांस्टेबल प्रवीण राज शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

यमुना नदी पुल से युवक ने लगाई छलांग, पुलिस ने तत्परता दिखाकर बचाई जान

-शेरगढ़ घाट यमुना नदी में बने पुल की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। थाना कुठौंद पुलिस की सक्रियता से यमुना पुल से नदी में कूदे एक युवक की जान बच गई। घटना के बाद क्षेत्र में एक बार फिर शेरगढ़ घाट स्थित यमुना पुल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात्रि गश्त के दौरान थाना कुठौंद पुलिस को सूचना मिली कि औरैया की ओर स्थित यमुना पुल से एक युवक नदी में कूद गया है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी शंकरपुर उपनिरीक्षक रामवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा चौकी प्रभारी देवकली (औरैया) से समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से तलाश अभियान शुरू किया। टॉर्च की रोशनी में काफी देर तक खोजबीन के बाद युवक पुल से लगभग एक किलोमीटर दूर नदी में मिला पुलिस ने युवक को सुरक्षित बाहर निकालकर उसका नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम दीपक पुत्र कृष्ण कुमार, निवासी ग्राम शेखपुर अहीर, थाना कुठौंद, जनपद जालौन, उम्र 26 वर्ष बताया। इसके बाद पुलिस ने तत्काल उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद पहुंचाकर उपचार कराया। साथ ही परिजनों को फोन पर सूचना दी गई। उपचार के बाद युवक को थाना लाकर उसकी पत्नी आरती तथा चाचा रामकरन के सुपुर्द कर दिया गया। घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने शेरगढ़ घाट यमुना पुल पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग दोहराई है। लोगों का कहना है कि पुल से लगातार इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, इसलिए यहां ऊंची सुरक्षा रेलिंग, सेफ्टी नेट, सीसीटीवी कैमरे, चेतावनी बोर्ड तथा आपातकालीन हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएं शीघ्र स्थापित की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

कोवरा सर्प के डसने से 25 वर्षीय युवक की मौत

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ (जालौन) माधौगढ तहसील क्षेत्र के ग्राम गालमपुरा में कोवरा सर्प के डसने से 25 वर्षीये युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में छाया मातम प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गालमपुरा निवासी विवेक कुमार पुत्र मुन्नालाल दौहरे उम्र 25 वर्षीय खेत पर जानवरो के लिये सुवह 10 बजे चारा लेने खेत पर गया था तभी चारे मे घात लागाये बैठा कोवरा सर्प उसी दौरान विवेक कुमार को डस लिया। परिजन ने पहले स्थानीय स्तर पर उपचार कराते रहे, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज उरई ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान विवेक कुमार कि मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही घर मचा कोहराम परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल विवेक कुमार चार भाई है विवेक कुमार दूसरे नम्बर का था 4 वर्ष पूर्व मृत विवेक कुमार कि शादी एमपी हुई थी भारण पोषण के लिए खेती किसानी का काम करके परिवार का भारण पोषण कर का गुजर बसर करता था

नमामि गंगे योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन में नहीं आ रहा पानी

ग्रामीणों ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कालपी तहसील के कदौरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम आटा के ग्रामीणों ने नमामि गंगे योजना के तहत बिछाई गई पाइपलाइन में पानी की आपूर्ति नहीं होने की शिकायत एसडीएम कुमार संजय से की है। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब दो माह पहले गांव में नल लगाए गए थे, लेकिन नल लगने के लगभग दो माह बीत जाने के बाद भी आधे मोहल्ले में ही पानी की आपूर्ति हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव के करीब 27 घरों में अभी तक पानी नहीं पहुंच रहा है, जिसके चलते लोगों को पेयजल के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में सीएम पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने एसडीएम कुमार संजय को प्रार्थना पत्र देकर संबंधित विभाग को निर्देशित कर मामले की जांच कराने तथा बंद पड़े नलों में शीघ्र पानी की आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है इस मौके पर प्रमुख रूप से रानी विश्वकर्मा, गौरव कुमार, अवधेश कुमार, राममोहन, लखन कुमार, नरेश कुमार सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

सपा नेताओं की कथित टिप्पणी के विरोध में सुभासपा का प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

सीएम के नाम ज्ञापन भेजकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं एवं समर्थकों पर पिछड़े, अतिपिछड़े, दलित एवं अतिदलित समाज के खिलाफ कथित अमर्यादित और जातिसूचक टिप्पणियां करने का आरोप लगाते हुए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधीक्षक के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। सुभासपा के राष्ट्रीय सचिव कालूराम प्रजापति ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि राजनीतिक दुर्भावना के चलते समाजवादी पार्टी के कुछ सांसदों, नेताओं और समर्थकों द्वारा वंचित वर्गों के लिए आपत्तिजनक एवं जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी टिप्पणियों से समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही सोशल मीडिया पर कथित अभद्र और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करने वालों के खिलाफ भी साइबर कानून के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो सुभासपा लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष विनीता वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष हरिओम प्रजापति, विंदेश प्रजापति, अभिषेक कुमार सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

व्यापार मंडल की बैठक कोतवाली में संपन्न, सुरक्षा व्यवस्था और कांवड़ यात्रा को लेकर हुई चर्चा

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। आगामी सावन माह, डाक कांवड़ यात्रा एवं नगर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर माधौगढ़ कोतवाली परिसर में व्यापार मंडल और पुलिस प्रशासन की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा संबंधी विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार मिश्र ने कहा कि नगर में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि जिन दुकानों पर अभी तक सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं, वे जल्द से जल्द कैमरे लगवाएं ताकि किसी भी घटना की स्थिति में पुलिस को जांच में सहायता मिल सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी समस्या के लिए व्यापारी सीधे उनसे संपर्क करें, किसी की सिफारिश की आवश्यकता नहीं है। साथ ही चेतावनी दी कि कानून व्यवस्था में लापरवाही या नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में आगामी हरौली से हरिद्वार तक निकलने वाली डाक कांवड़ यात्रा तथा ररूरेश्वर मंदिर पर होने वाले जल विसर्जन के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। पुलिस ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से सहयोग की अपील की ताकि यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। नगर पंचायत अध्यक्ष राघवेन्द्र व्यास ने कहा कि सावन माह में धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए बुंदेलखंड इंटर कॉलेज बाली गली क्षेत्र में मांस बिक्री करने वाले स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नगर में साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने का भी भरोसा दिलाया। बैठक में बताया गया कि नगर के प्रमुख चौराहों एवं सर्राफा बाजार में पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण बनाया जा सके। बैठक में दीपक राजावत (बेनाम), अजीत बजाज, सभासद अरविंद सिंह सेंगर, अंकित कस्तवार, नगर पंचायत अध्यक्ष राघवेन्द्र व्यास तथा व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवम राजावत सहित व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

2 माह बाद पुराने पुल में पूर्व की तरह शुरू हुआ आवागमन

पुराने पल के दोनों साइड हटेगा अतिक्रमण अतिक्रमण धारियों को मोहलत एक सप्ताह की दी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 23 जुलाई। करीब दो माह तक मरम्मत कार्य के चलते बंद रहे ऐतिहासिक पुराने यमुना पुल पर 23 जुलाई से आवागमन शुरू होते ही प्रशासन ने पुल के दोनों ओर यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं बाधारहित बनाए रखने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को नायब तहसीलदार एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना प्रबंधक ने संयुक्त रूप से दुर्गा मंदिर चौराहे से लेकर पुराने यमुना पुल तक पैदल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे एवं सर्विस मार्ग पर करीब एक दर्जन स्थानों पर अतिक्रमण पाया गया। अधिकारियों ने सभी अतिक्रमणकारियों को एक सप्ताह के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश देते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित समयावधि के बाद प्रशासन अभियान चलाकर अवैध कब्जे हटाएगा तथा संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

गुरुवार को नायब तहसीलदार मुकेश कुमार तथा एनएचएआई के परियोजना प्रबंधक इंगलेश शर्मा ने संयुक्त रूप से निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पुल के दोनों छोर, सर्विस रोड, यातायात की आवाजाही तथा सड़क की स्थिति का भी बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुल तक आने-जाने वाले मार्ग को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त रखा जाए, ताकि किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और वाहनों का आवागमन निर्बाध रूप से संचालित हो सके। अधिकारियों ने कहा कि पुल खुलने के बाद यातायात का दबाव बढ़ेगा, ऐसे में यदि सड़क किनारे अतिक्रमण बना रहा तो जाम की समस्या फिर से खड़ी हो सकती है। इसे देखते हुए समय रहते कार्रवाई की जा रही है। मालूम हो कि करीब 56 वर्ष पुराने यमुना पुल की बेयरिंग एवं एक्सपेंशन ज्वाइंट में तकनीकी खराबी आने के कारण 22 मई से पुल पर आवागमन बंद कर दिया गया था। इसके चलते कानपुर-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग का पूरा यातायात नए यमुना पुल से संचालित किया जा रहा था। जिससे नए पुल, दुर्गा मंदिर चौराहे, सर्विस रोड पर प्रतिदिन घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती थी। स्थानीय लोगों, व्यापारियों, यात्रियों एवं एंबुलेंस तक को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मरम्मत कार्य के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा पुल की क्षतिग्रस्त बेयरिंग बदली गईं, एक्सपेंशन ज्वाइंट का नवीनीकरण किया गया तथा अन्य तकनीकी सुधार कार्य भी कराए गए। सभी आवश्यक परीक्षण पूरे होने के बाद 23 जुलाई से पुल पर पुन: वाहनों का संचालन शुरू कर दिया गया है। पुराने यमुना पुल पर यातायात बहाल होने से नए पुल पर वाहनों का दबाव कम होने की उम्मीद है। इससे नगर क्षेत्र में लंबे समय से बनी जाम की समस्या से लोगों को काफी राहत मिलेगी। स्थानीय लोगो और व्यापारियों ने पुल खुलने पर खुशी जताते हुए कहा कि पिछले दो माह से रोजाना जाम के कारण समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही थी। अब दोनों पुलों पर यातायात विभाजित होने से आवागमन पहले की तुलना में अधिक सुगम और सुरक्षित होगा प्रशासन का कहना है कि पुल के दोनों ओर अतिक्रमण पूरी तरह हटने के बाद यातायात व्यवस्था और अधिक व्यवस्थित होगी। भविष्य में जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए नियमित निगरानी के साथ आवश्यकता पड़ने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान भी चलाया जाएगा।

तकनीकी सहायता इकाई की विशेषज्ञ टीम ने अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने एवं मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जालौन का तकनीकी मूल्यांकन किया गया। लखनऊ तकनीकी सहायता इकाई की विशेषज्ञ टीम ने अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीम ने विशेष रूप से एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान, उपचार और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

लखनऊ से आई तकनीकी सहायता इकाई की सदस्य डॉ. रेनू, डॉ. दीक्षा और डॉ. सुरभि ने अस्पताल पहुंचकर लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर, ओपीडी, प्रसवोत्तर वार्ड (पीएनसी), जनरल वार्ड, एनबीएसयू, लैब और महिला चिकित्सक डॉ. गरिमा सिंह के कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, साफ, सफाई, आवश्यक उपकरणों, दवाओं की उपलब्धता और उपचार व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, नियमित प्रसव पूर्व जांच, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान और रेफरल व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान खून की कमी (एनीमिया) मातृ मृत्यु का एक प्रमुख कारण है। यदि समय रहते इसकी पहचान कर उपचार किया जाए तो गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित किया जा सकता है। टीम ने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों से कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। विशेष रूप से हाई रिस्क गर्भवतियों की निगरानी रखें। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीकरण कराएं, नियमित जांच के लिए प्रेरित करें एवं आयरन एवं फोलिक एसिड की दवाओं का नियमित सेवन सुनिश्चित कराएं। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में प्रसव सेवाओं, नवजात शिशुओं की देखभाल, रिकॉर्ड का रख रखाव, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं एवं स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डॉ. राजीव दुबे, डॉ. विनोद राजपूत, डॉ. सहन बिहारी गुप्ता, डॉ. योगेश आर्या, डॉ. गरिमा सिंह, पी.एन. शर्मा, अवधेश राजपूत, स्टाफ नर्स रेनू चौहान, सचिन आदि रहे।

सफाई व्यवस्था बदहाल, जगह-जगह गंदगी के ढेर और नालियां जाम

-मुख्यमंत्री के आगमन से पहले भी नहीं सुधरी शहर की सफाई व्यवस्था, तहसील भवन के बाहर अतिक्रमण से राहगीर परेशान

(यंग भारत न्यूज)

उरई। शहर में इन दिनों सफाई व्यवस्था पूरी तरह बदहाल नजर आ रही है। जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे होने के साथ ही बारिश के मौसम में नालियां जाम होने से जलभराव की समस्या भी गहराने लगी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की उदासीनता के चलते शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों का आरोप है कि सफाई निरीक्षक संदीप कुमार की कथित धनउगाही के चलते सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। लोगों का कहना है कि शहर के कई इलाकों में नियमित सफाई नहीं होने से गंदगी के ढेर लगे हैं और नालियों की सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर भरने की आशंका बनी हुई है। वहीं, 25 जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनपद आगमन को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री जिला मुख्यालय स्थित नवनिर्मित तहसील भवन का लोकार्पण भी करेंगे। इसके बावजूद तहसील भवन के बाहर अतिक्रमण के चलते जाम की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले शहर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने और तहसील भवन के आसपास से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जानी चाहिए। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि शहर में विशेष सफाई अभियान चलाकर नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए तथा तहसील भवन के आसपास किए गए अतिक्रमण को हटाकर यातायात व्यवस्था को सुचारु किया जाए, ताकि मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। किशोरियों को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से गुरुवार को आनंदीबाई वाई. हर्षे बालिका इंटर कॉलेज में एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 28 छात्राओं का टीकाकरण कर उन्हें इस गंभीर बीमारी से बचाव के लिए सुरक्षा कवच प्रदान किया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम में एएनएम रेनू, अर्चना, श्याम कुमारी तथा आशा कार्यकर्ता नीतू और सुनीता आदि ने छात्राओं को एचपीवी संक्रमण, उसके कारण होने वाले सर्वाइकल कैंसर और टीकाकरण के महत्व के बारे में देकर बताया कि 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए एचपीवी का टीका सबसे अधिक प्रभावी माना जाता है। समय पर टीकाकरण कराने से भविष्य में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है। टीकाकरण से पहले सभी छात्राओं की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की गई। इसके बाद उन्हें एचपीवी का टीका लगाया गया। टीकाकरण के उपरांत प्रत्येक छात्रा को लगभग 30 मिनट तक चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया, ताकि किसी प्रकार की प्रतिकूल प्रतिक्रिया होने पर तत्काल आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सके। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुनीता शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि छात्राओं का स्वास्थ्य और सुरक्षा विद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे किशोरियों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं।

25 अगस्त तक चलेगा डायरिया अभियान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद जालौन में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित रखने एवं डायरिया जनित मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से 25 जून से 25 अगस्त, 2026 तक स्टॉप डायरिया अभियान-2026 संचालित किया जाएगा। इस वर्ष अभियान की थीम स्वच्छ जल, समुचित उपचार डायरिया से बचें हर बार निर्धारित की गई है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान आशा, एएनएम एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर जाकर डायरिया से बचाव, समय पर उपचार तथा स्वच्छता संबंधी व्यवहार परिवर्तन के लिए व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। प्रत्येक परिवार को डायरिया के लक्षण, ओआरएस घोल तैयार करने एवं उपयोग करने की सही विधि, जिंक की गोली का महत्व, सुरक्षित पेयजल के उपयोग, साबुन से हाथ धोने की आदत तथा बच्चों को स्वच्छ एवं ताजा भोजन उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी जाएगी।उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर ओआरएस पैकेट एवं जिंक टैबलेट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। डायरिया के लक्षण दिखाई देने पर बच्चे को तत्काल ओ0आर0एस0 घोल देना प्रारंभ करें तथा चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार 14 दिनों तक जिंक की गोली अवश्य दें। यदि बच्चे में बार-बार पतले दस्त, तेज बुखार, उल्टी, अत्यधिक प्यास, सुस्ती अथवा निर्जलीकरण के लक्षण दिखाई दें तो बिना विलंब निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि डायरिया एक ऐसी बीमारी है. जिससे समय पर उपचार एवं उचित सावधानियां अपनाकर आसानी से बचाव किया जा सकता है। स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल, हाथ धोने की आदत तथा ओ0आर0एस0 एवं जिंक का समय पर उपयोग बच्चों के जीवन की रक्षा में अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं आमजन से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।स्वच्छ जल, समुचित उपचार डायरिया से बचें हर बार के संदेश के साथ स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से इस जनहितकारी अभियान में सहभागी बनने एवं स्वस्थ जालौन के निर्माण में योगदान देने की अपील की है।

आबकारी विभाग एवं प्रशासन की संयुक्त टीम ने की देशी, अंग्रेजी/बीयर की दुकानों का किया निरीक्षण

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । आबकारी विभाग एवं प्रशासन की संयुक्त टीम ने नगर क्षेत्र की देशी, अंग्रेजी और बीयर की दुकानों पर निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के दौरान दुकानों पर स्टॉक, बिक्री, अभिलेखों और सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की गई। अधिकारियों ने संचालकों को शासन के सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने तथा रिकॉर्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए। आबकारी निरीक्षक नारायण दास गुप्ता के नेतृत्व में नायब तहसीलदार सतेंद्र गुप्ता, कोतवाल हरिशंकर चंद की टीम ने नगर में स्थित शराब और बीयर की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रत्येक दुकान के स्टॉक रजिस्टर का भौतिक स्टॉक से मिलान किया। साथ ही पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन के माध्यम से दर्ज बिक्री का सत्यापन किया गया, ताकि बिक्री और स्टॉक में किसी प्रकार की विसंगति न रहे। टीम ने शराब की बोतलों की एक्सपायरी तिथि, होलोग्राम, निर्धारित मूल्य सूची और अन्य आवश्यक अभिलेखों की भी बारीकी से जांच की। इसके अलावा दुकानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य निर्धारित मानकों का भी परीक्षण किया गया। साफ सफाई को लेकर निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखी जाए। शराब की दुकान पर किसी भी व्यक्ति को शराब पीने की अनुमति न दी जाए। साथ ही अधिकारियों ने दुकान संचालकों को निर्देश दिए कि सभी अभिलेख नियमित रूप से अपडेट रखें और शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। आबकारी निरीक्षण नारायण दास गुप्ता ने बताया कि जनहित एवं राजस्व संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के निरीक्षण अभियान आगे भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे। यदि भविष्य में किसी दुकान पर नियमों का उल्लंघन या अनियमितता पाई गई तो संबंधित संचालक के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व चेयरमैन ने वृक्ष रोपित कर प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष लगाने के लिए दिया संदेश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 23 जुलाई। जनपद जालौन के वृक्षारोपण अभियान तहत नगर मे पौधा रोपण अभियान लगातार जारी है पालिका के पूर्व अध्यक्ष कमर अहमद ने अपने साथियों के साथ स्थित कालपी गार्डन में वृक्ष लगाकर नगर वासियों को वृक्ष रोपित करने का पुरजोर आवाहन किया।

गुरुवार के दिन मोहल्ला कागजीपुरा स्थित कालपी गार्डन में पूर्व चेयरमैन ने मां के नाम एक वृक्ष रोपित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति इस अभियान में वृक्षारोपित कर ऑक्सीजन का लाभ उठाएं मौके में जमाल अहमद सहीद अहमद अजहर बाबा आदि लोग मौजूद थे।

ट्रेन की चपेट में आकर 12 वर्षीय बालिका की मौत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के ग्राम छौंक के समीप एक दर्दनाक हादसे में ट्रेन की चपेट में आने से एक किशोरी की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए विधिक कार्यवाही शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम छौंक निवासी 12 वर्षीया अनन्या शाम करीब पांच बजे खेतों से घर लौट रही थी। जोल्हूपुर - छौंक के बीच स्थित रेलवे ट्रैक पार करते समय दोनों लाइनों पर एक साथ ट्रेनें गुजर रही थीं। तेज रफ्तार ट्रेनों के शोर और अफरा-तफरी के बीच किशोरी घबरा गई और ट्रेन की चपेट में आ गई। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।अनन्या की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जनगणना अधिकारी ने तहसील के कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 23 जुलाई। गुरुवार को भारत की जनगणना 2027 का प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला गणना अधिकारी रश्मि तथा प्रशिक्षक संजीव श्रीवास्तव की मौजूदगी में आयोजित किया गया। इस मौके पर बैठक में मौजूद लेखपालों तथा कर्मचारियों का ग्राम निर्देशो के लिए जिला जनगणना हस्त पुस्तिका का वितरण किया गया।

तहसील सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में नायब तहसीलदार प्रिंस सिंह राजपूत की मौजूदगी में जिला जनगणना अधिकारी एवं प्रशिक्षक रश्मि ने लेखपालों तथा जनगणना कर्मचारियों को अवगत कराया है कि ग्राम निर्देशिका से संबंधित आंकड़ों का संकलन प्रत्येक ग्राम के लिए नामित ग्राम स्तरीय अधिकारी के द्वारा किया जाएगा। अनुसूची में की गई सभी प्रविष्टियों की प्रमाणिकता शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए चार्ज स्तर पर सावधानी पूर्वक सत्यापन किया जाना अनिवार्य होगा। ग्राम निर्देशिका अनुसूची में सभी संख्यात्मक प्रविष्टियां केवल अरबी अंकों (12345) आदि में ही अंकित की जाएगी। ग्राम निर्देशिका अनुसूची में संकलित समस्त जानकारी 31 दिसंबर 2025 संदर्भ तिथि के अनुसार दर्ज की जाएगी राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, प्रमोद दुबे, प्रमोद कुमार, राघवेंद्र निरंजन, जितेंद्र सिंह, योगेश कुमार समेत जनगणना कर्मचारी मौजूद रहे।

घरों में जाकर दातून मांगिए, चाय पीजिए', सीएम योगी ने बीजेपी के बूथ अध्यक्षों को समझाया जीत का फॉर्मूला

(यंग भारत न्यूज)

गोरखपुर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं को आम लोगों से गहराई से जुड़ने, उनसे सुसंबंध बनाने की अनोखी तरकीब बताई है। बीजेपी के बूथ अध्यक्षों को सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हर दिन पांच घरों में जाइए। जिस घर में जाएं, वहां रहने वाले लोगों से नीम की दातून मांगिए, उसे करिए और फिर उनके साथ चाय पीजिए, बात कीजिए। उन्होंने कहा कि चुनाव में असली लड़ाई बूथों पर ही होगी।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी-मार्च में होने की संभावना है। यानी चुनाव में करीब 7-8 महीने बाकी हैं। इससे पहले बीजेपी इस बड़े सियासी समर की तैयारी में जोरशोर से जुटी है। बीजेपी की रणनीति सबसे निचले बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की है। वह चाहती है कि पार्टी का जनाधार शहरों, कस्बों और गांवों के हर मोहल्ले में मजबूत बने। इसी उद्देश्य से वह बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं को जीत तय करने के मंत्र दे रही है। यहां बीजेपी के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष की रणनीतियों से सतर्क रहने के लिए कहा। उन्होंने बूथ अध्यक्षों को हर घर तक पहुंच बनाने के तरीके समझाए। उनकी चुनावी प्रबंधन की क्लास करीब सवा घंटे तक चली। उन्होंने बताया कि बूथ अध्यक्षों में क्या ताकत है और उनकी मेहनत किस तरह से पार्टी की जीत की राह बना सकती है सीएम योगी ने बूथ अध्यक्षों से कहा कि लोगों के घरों में जाइए और उनके साथ बैठकर बात कीजिए। उन्हें यूपी और केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में बताइए और विपक्ष की सियासी चाल के बारे में भी समझाइए। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में वास्तविक लड़ाई बूथ पर ही होगी। उन्होंने समझाया कि जिस तरह सीमा पर सैनिकों की मुस्तैदी से देश सुरक्षित रहता है, उसी तरह बूथ स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के सतर्क और सजग रहने से हम केंद्र और प्रदेश में सरकार बनाते हैं। इस मोर्चे पर सतर्क रहना जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी ने 15 बूथ अध्यक्षों से बातचीत की। उन्होंने उनसे कुछ सवाल पूछे, जैसे कि हर साल पार्टी के कितने कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं व्हाट्सऐप ग्रुप कौन चलाता है और महिला प्रमुख कौन है उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के दौरान जब लोगों के घर जाकर उनसे मिलें तो उनकी समस्याओं को सुनें और उनसे मिले फीडबैक को लिख लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि, यह भी जानने की कोशिश कीजिए कि विपक्ष कोई राजनीतिक षड्यंत्र तो नहीं रच रहा उन्होंने याद दिलाया कि पिछले लोकसभा चुनाव में संविधान से आरक्षण हटाने की अफवाह फैलाई गई थी और हम उसका सही जवाब नहीं दे पाए थे। इससे नुकसान उठाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि इस बार सतर्क रहना है, हर अफवाह का खंडन करना है और सोशल मीडिया पर सटीक जवाब देना है।

10 साल की छात्रा के साथ टीचर ने किया था ऐसा काम, मासूम ने लगा ली फांसी, मौत के बाद हड़कंप

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 10 चोरी के आरोप से परेशान 10 साल की क्लास 4 की स्टूडेंट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मौके पर पहुंची पुलिस ने बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस अब पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है. मामला नई मंडी थाना क्षेत्र के पचेंडा कला गांव के एक प्राइमरी स्कूल की 10 साल की क्लास 4 की स्टूडेंट आयुषी का है, जिसने बुधवार (22 जुलाई) को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली.

आरोप है कि स्कूल टीचर सविता ने मृत स्टूडेंट पर अपने बैग से 10 चुराने का आरोप लगाया था. बताया जा रहा है कि टीचर ने इसकी शिकायत स्कूल टीचर राजीव से की, जिन्होंने फिर स्टूडेंट की स्कूल में पिटाई कर दी. आरोप यह भी है कि इस घटना से परेशान होकर छात्रा ने स्कूल से घर लौटने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. अब पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है.मृतक छात्रा के पिता अशोक राजपूत ने आरोप लगाया कि स्कूल के एक टीचर ने उनकी बेटी पर 10 चोरी करने का आरोप लगाया और उसे बुरी तरह पीटा. उन्होंने कहा कि जब उन्हें स्कूल बुलाया गया, तो उन्होंने कहा कि वह शहर से बाहर हैं और अगले दिन लौटेंगे. बाद में, उनकी बेटी ने उन्हें बताया कि उसे 10 टेबल के नीचे मिले थे और उसने चोरी नहीं की थी. अशोक राजपूत का दावा है कि जब वह दोपहर करीब 2 बजे स्कूल पहुंचे, तो उन्होंने अपनी बेटी को फंदे से लटका हुआ पाया. दूसरे बच्चों और स्थानीय लोगों ने भी उन्हें बताया कि छात्रा को पीटा गया था. उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि वह अपनी बेटी के लिए न्याय चाहते हैं. ष्ठ्ठक्कविरोध के बीच मायावती का अखिलेश यादव और राहुल गांधी को कड़ा संदेश, एक शक्तिशाली राजनीतिक संदेश देता है

3 बहनों की मांग में भरा एक ही लड़के ने सिंदूर! रील्स से हुईं थी फेमस; अपने ही कैमरामैन को बनाया दूल्हा

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के अमरोहा ज़िले इसे एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आ रहा है. दरअसल, हसनपुर इलाके के धौरिया गांव की तीन लड़कियों ने चामुंडा माता मंदिर में एक कैमरामैन से शादी रचा ली है, हैरान कर देने वाली बात तो ये है कि वो तीनों बहने हैं

इन बहनों की उम्र 18 से 20 साल के बीच है. रविवार शाम को शादी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिससे हिंदू धर्म के मानने वालों में भारी विरोध हुआ; उन्होंने इसे सनातन धर्म का अपमान और सामाजिक नियमों का उल्लंघन बताया. बता दें कि इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है. वायरल वीडियो के मुताबिक, धौरिया गांव की रहने वाली सरोज (20), सोनिया (19) और संतोष (18) ने 17 जुलाई को चामुंडा माता मंदिर में फेरे लिए. श्यामूपुरी गांव के कैमरामैन विकास नाइक 'विक्कू' ने एक-एक करके तीनों बहनों की मांग में सिंदूर भरा और उन्होंने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया. इस समारोह के दौरान दोनों पक्षों का कोई भी परिवार का सदस्य मौजूद नहीं था. मंदिर के मैनेजर डॉ. शिवचरण दास ने बताया कि उस समय मंदिर में मरम्मत का काम चल रहा था और कोई पुजारी वहां मौजूद नहीं था. इसमें शामिल चारों लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर काफी एक्टिव हैं. तीनों बहनों के मिलाकर फेसबुक पर 4,69,000 से ज़्यादा फॉलोअर्स हैं. सबसे बड़ी बहन सरोज क्क्ष्द्गष्ठ के दूसरे साल की छात्रा है, जबकि बाकी दोनों ने 12वीं कक्षा पास कर ली है. विकास ने भी इस साल 12वीं पास की है और स्क्ककोर्स की तैयारी कर रहा है; वह पिछले छह महीनों से उनकी रील्स में पति की भूमिका निभा रहा था. जब बिजनेसमैन मुकेश गुप्ता और स्थानीय हिंदू श्रद्धालुओं ने आपत्ति जताई और विवाद बढ़ गया, तो बहनों ने अपना पक्ष रखने के लिए एक वीडियो जारी किया. उन्होंने कहा कि वे बचपन से ही साथ रही हैं. जब अधिकारियों ने अलग-अलग जगहों पर उनकी अलग-अलग शादियां कराने की कोशिश की, तो उन्होंने इसके बजाय एक ही समय पर एक साथ शादी करने का फैसला किया. आपत्ति जताने वालों को जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'इतिहास में राजाओं की कई रानियाँ हुआ करती थीं; तब इसे अपमान क्यों नहीं माना जाता था हम तीनों बालिग हैं और इस रिश्ते से खुश हैं-तो फिर कागज़ी कार्रवाई में क्या दिक्कत है'

तांत्रिकता की आड़ मेंवानियत की हदें पार कर दो सगी बहनों से किया वर्षों तक दुष्कर्म. तीसरी को बनाना चाहा शिकार तो हुआ गिरफ्तार.

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र से एक बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक शख्स तांत्रिक बनकर लंबे समय तक महिलाओं और युवतियों का दैहिक शोषण करता रहा।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तांत्रिक को दबोच लिया है। उस पर दो सगी बहनों के साथ वर्षों तक दुष्कर्म करने और तीसरी बहन के साथ भी गंदी हरकत व दुष्कर्म का प्रयास करने का गंभीर आरोप है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी तांत्रिक गहिनी खुर्द (थाना फूलपुर) का रहने वाला है। वह तंत्र-मंत्र और झाड़-फूंक का झांसा देकर पीड़ित परिवार के घर आता-जाता था। घटना वाले दिन आरोपी ने माता-पिता को मंत्र-जाप का बहाना बनाकर घर के बाहर ही बैठा दिया और अंदर अकेली पीड़िता से दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। जब पीड़िता ने विरोध करते हुए शोर मचाया, तो घर के बाहर मौजूद परिजन और अन्य लोग तुरंत अंदर भागे और आरोपी को रंगे हाथ दबोच लिया। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। फूलपुर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने इससे पहले भी दो सगी बहनों को अपनी हवस का शिकार बनाया था। पुलिस ने इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है और लोगों में भारी आक्रोश है।

यूपी चुनाव से पहले बीजेपी का हर दलित वोटर तक पहुंचने का प्लान, सभी बूथों पर 20 से 25 कार्यकर्ताओं की लिस्ट होगी तैयार

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: बीजेपी 2027 के लिए सभी दलित वोटर तक पहुंचने का मास्टर प्लान तैयार कर रही है। इसके लिए पार्टी सभी बूथों पर 20-25 दलित कार्यकर्ताओं की लिस्ट तैयार करेगी। इन कार्यकर्ताओं के जरिए वह क्षेत्र के अन्य दलित वोटरों को साधेगी। प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बुधवार को हुए बूथ सम्मेलनों में पदाधिकारियों को इस बाबत निर्देश दिए गए हैं। सम्मेलनों में बूथों के सत्यापन के साथ ही 2027 की तैयारी के लिए कई अन्य महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बीजेपी ने बुधवार को प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन आयोजित किए। इसमें हर विधानसभा क्षेत्र में आने वाले सभी बूथों के पदाधिकारी शामिल हुए। इस तरह प्रदेश के सभी 1.74 लाख बूथों के पदाधिकारियों को इन सम्मेलनों में बुलाया गया था। विधानसभा स्तर पर आयोजित हर बूथ सम्मेलन में बतौर मुख्य अतथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर प्रदेश सरकार के मंत्री, प्रदेश पदाधिकारी, सांसद और विधायक शामिल हुए। इन सम्मेलनों में बूथों का सत्यापन किया गया। सम्मेलनों में सबसे पहले तो बूथ अध्यक्षों की उपस्थिति जांची गई। प्रदेशभर में ज्यादातर सम्मेलनों में 90-95 प्रतिशत बूथ अध्यक्ष शामिल हुए। जो उपस्थित नहीं हुए, उसका कारण पता किया गया। वहीं, उनसे सामान्य और सक्रिय सदस्यों की लिस्ट, वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों की लिस्ट की जांच की गई। बूथ सत्यापन के साथ ही 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के संबंध में उनको निर्देश दिए गए। कहा गया कि हर बूथ पर 20-25 दलित कार्यकर्ताओं की लिस्ट तैयार करें। उनको सक्रिय करके बाकी दलित वोटरों से संपर्क स्थापित किया जाए। क्षेत्र में की वोटरों की भी लिस्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए। कहा गया कि ये ऐसे वोटर हों जो अपने साथ अन्य वोटरों को भी प्रभावित करते हों और वोट डलवा सकें

नोएडा में माफिया अतीक अहमद की संपत्तियों को बेचने वाले गुर्गों पर कसेगा शिकंजा, ईडी ने तैयार की लिस्ट

(यंग भारत न्यूज)

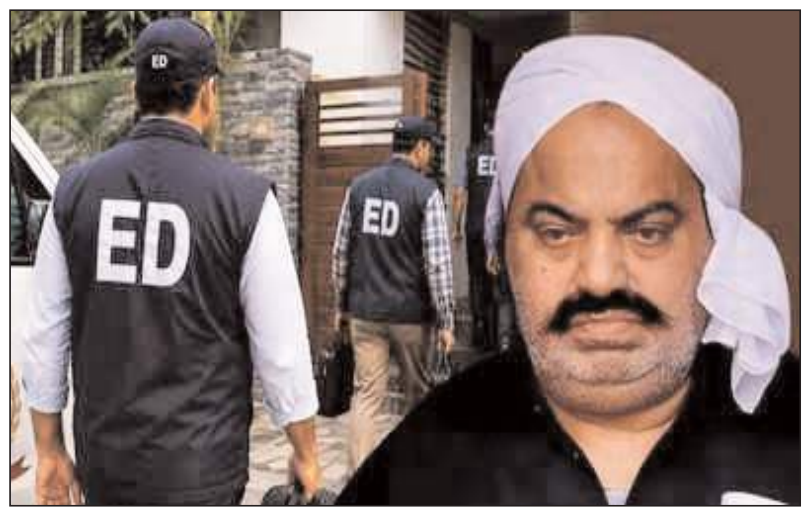

नोएडा: माफिया अतीक अहमद की बेनामी प्रॉपर्टी को अब उसके ही कुछ गुर्गे बेच रहे हैं। गैंग्सटर एक्ट के तहत पुलिस संपत्तियों को चिह्नित कर रही है तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम अब अवैध और बेनामी प्रापर्टी को अटैच करने की तैयारी में जुट गयी है। अतीक की अवैध संपत्तियों को बेचने की भनक मिलने के बाद गौतमबुद्ध नगर में नोएडा अथॉरिटी, यमुना अथॉरिटी और ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी को ऐसी संपत्तियों को सूची भेजी गयी है। ईडी ने निबंधन विभाग को भी ऐसी सूची भेजी ताकि उनकी खरीद-फरोख्त न हो सके। अतीक अहमद के खिलाफ ईडी ने वर्ष 2020 में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। इसके बाद आठ करोड़ रुपये की प्रापर्टी और अतीक व उसकी पत्नी शाइस्ता के बैंक खाते को अटैच किया था। साबरमती जेल में माफिया अतीक का बयान लेने और मनी ट्रेल स्थापित करने पर अहम जानकारी हाथ लगी। तब अप्रैल 2023 को ईडी की टीम ने माफिया की करीबी बिल्डर संजीव अग्रवाल, पूर्व विधायक आसिफ जाफरी, कारोबारी दीपक भार्गव, रिश्तेदार खालिद जफर, सहयोगी वकील शौलत हनीफ खान, बिल्डर अमित गोयल, अतुल द्विवेदी और चार्टर्ड एकाउंटेंट सीताराम शुक्ला, पूर्व प्रधान गुलफुल के बेटे वदूद समेत कई अन्य के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान नोट गिनने की मशीन, 100 करोड़ से अधिक संपत्तियों के अभिलेख, 75 लाख रुपये नकद, विदेशी मुद्रा, सोने-चांदी के जेवर, 200 बैंक खातों और 50 शेल कंपनियों से जुड़े दस्तावेज भी बरामद हुए थे। ईडी अब गौतमबुद्ध नगर जिले में अतीक के करीबियों के संपत्ति की जांच करने के साथ उनकी प्रारंभिक सूची भेज दी है। इस सूची में अतीक के करीबी नोएडा के बिल्डर, फाइनेंसर, सहयोगियों का भी नाम है।

सपा की त्रिमूर्तिः अखिलेश जब संसद में उठा रहे थे बेटियों की आवाज, तो साथ खड़ी थीं ये 3 सांसद

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊः भले ही छात्र आंदोलन की ज्वाला दिल्ली के जंतर-मंतर से धधकना शुरू हुई हो लेकिन इसके आंच में देश के सबसे बड़े सूबे से लगायत सदन तक झुलसते हुए दिखे। दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज के बाद से विपक्ष ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया।

संसद में मानसून सत्र की कार्यवाही के दौरान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एक तरफ़ जब स्वयं बेटियों की आवाज उठाते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से भिड़ते हुए नजर आए तो वहीं दूसरी तरफ़ सपा की महिला सांसद भी अखिलेश यादव के कंधों से कंधे मिलाती नजर आईं। इस पूरे आंदोलन के दौरान सपा की जो तीन महिला सांसद काफ़ी सुर्खियों में नजर आईं उनमें स्वयं सपा प्रमुख की पत्नी और मैनपुरी लोकसभा की सांसद डिंपल यादव ,मछली शहर की सांसद प्रिया सरोज और कैराना की सांसद इकरा हसन का नाम शामिल रहा। इन तीनों महिला सांसदों ने पूरे आंदोलन के दौरान ना सिर्फ सुर्खियां बटोरी बल्कि पुलिसिया कार्यवाही को लेकर लेकर सरकार और प्रशासन के प्रति मुखर भी नजर आईं ।मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इन तीनों महिला सांसदों को अपनी हिरासत में भी लिया था ।जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। इस पूरे आंदोलन के दौरान सबसे ज़्यादा चर्चित और सुर्खियों में रहने वाला जो नाम था ।वो स्वयं सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी और उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट से सांसद डिंपल यादव का रहा ।इस पूरे छात्र के दौरान डिंपल यादव ना सिर्फ छात्रों के साथ कदम से कदम मिलाकर प्रोटेस्ट करती दिखीं बल्कि पुलिसिया कार्यवाही के दौरान भी छात्रों और छात्राओं के साथ डटकर खड़ी नजर आईं ।दिल्ली पुलिस की कार्यवाही के दौरान डिंपल यादव की जो तस्वीरें छात्रों और छात्राओं की मदद करते हुए सोशल मीडिया पर निकलकर सामने आईं। उसको देखकर हर किसी ने राजनीति से ऊपर उठकर डिम्पल यादव की जमकर तारीफ़ की ।पुलिसिया कार्यवाही को लेकर डिंपल यादव ने दिल्ली पुलिस पर यह आरोप लगाया कि कुछ पुलिसकर्मियों ने अपने नेम-बैज हटाकर छात्रों पर बल प्रयोग किया और कुछ ने गुंडों जैसा व्यवहार किया ।अगर पुलिस को बल प्रयोग करना ही था, तो नियमों के खिलाफ जाकर ऊपरी अंगों या छाती पर वार क्यों किए गएसंसद की मानसून सत्र की कार्यवाही के दौरान भी डिंपल यादव खड़े होकर सपा सुप्रीमो की आवाज के साथ अपनी आवाज बुलंद करती नजर आईं और इस मुद्दे पर संसद में चर्चा न होने पर उन्होंने सदन में 'शेम-शेम' के नारे भी लगाए। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मछली शहर से सांसद प्रिया सरोज भी सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के साथ काफ़ी मुखर अंदाज में नज़र आईं ।प्रिया जब जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे छात्रों और छात्राओं से मिलने पहुंचीं तो उन्होंने यह कहते हुए उनका हौसला बढ़ाया कि सांसद बनने से पहले वह भी एक छात्रा थीं और इसीलिए वो युवाओं के दर्द को बखूबी समझती और महसूस करती हैं ।जब परीक्षा लीक और रद्द होती है, तो सिर्फ एक छात्र नहीं, बल्कि उस घर का पूरा परिवार टूट जाता है। प्रिया सरोज मार्च के दौरान हाथों में तख्तियां लेकर प्रिया सपा के अन्य सांसदों और छात्रों के साथ सरकार को घेरते हुई भी नजर आईं ।दिल्ली पुलिस द्वारा लाठी चार्ज की कार्यवाही पर सरकार को घेरते हुए प्रिया सरोज ने कहा कि बिना बैज वाले और सिविल ड्रेस वाले पुलिसकर्मियों द्वारा प्रदर्शनकारियों और छात्राओं पर जो डंडे मारे जा रहे थे वो निंदनीय है ।शांतिपूर्ण तरीक़े से प्रदर्शन करना छात्रों का संवैधानिक अधिकार है ।सरकार को छात्रों की समस्याओं को सुनना चाहिए और इसका समुचित निराकरण भी करना चाहिए। उत्तर प्रदेश के शामली जिले की कैराना लोकसभा सीट से सांसद इकरा हसन ने सपा सुप्रीमो को हिरासत में लिए जाने के बाद भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला ।इकरा ने कहा कि जिस प्रकार से एक व्यक्ति के पद को बचाने के लिए आज सरकार ने पूरे देश में तोड़फोड़ मचा दी है।

टॉप-5 की जंग में भारत, मुक्केबाजी-एथलेटिक्स से पदकों की आस

लखनऊ

भारत के लिए पिछले दो दशक से राष्ट्रमंडल खेलों में शीर्ष पांच में रहने का सिलसिला कायम रखना इस बार स्पर्धाओं में कटौती के कारण मुश्किल हो सकता है लेकिन मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और एथलेटिक्स में अच्छे पदक आने की उम्मीदें हैं। पिछले तीन दशक में यह सबसे छोटे राष्ट्रमंडल खेल हैं, जिनमें लागत में कटौती के कारण चार स्थानों पर सिर्फ दस खेलों की स्पर्धाएं होंगी और 74 देशों के करीब 3 हजार खिलाड़ी जोर आजमाइश करेंगे। ओवो हाइड्रो पर गुरुवार को उद्घाटन समारोह के जरिए इन खेलों की औपचारिक शुरुआत होगी। इनमें से छह खेलों में पैरा खेलों की स्पर्धाएं भी साथ में होंगी।

2002 के बाद भारत रहा शीर्ष पांच में

भारत मैनचेस्टर में 2002 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद से हर बार शीर्ष पांच में रहा है। इस बार हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और निशानेबाजी के नहीं होने से यह कर पाना मुश्किल लग रहा है। बर्मिंघम में इन्हीं खेलों में भारत के 61 में से लगभग आधे पदक आए थे। ऐसे में अब एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन पर जिम्मेदार आन पड़ी है।

आज से कॉमनवेल्थ गेम्स, 74 देशों के 3 हजार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

भारोत्तोलन में नजरें मीराबाई चानू पर

भारोत्तोलन में नजरें ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू पर लगी होंगी। मणिपुर की 31 वर्ष की चानू पिछले तीन राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। भारोत्तोलन में भारत के 11 खिलाड़ी ही भाग लेंगे क्योंकि राष्ट्रीय शिविर में कई खिलाड़ी डोप टेस्ट में नाकाम हुए हैं, जिससे भारत की पदक की उम्मीदें कम हो गई हैं। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) राष्ट्रमंडल खेलों में पहला पदक जीतना चाहेंगी। वहीं 57 किलो में विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया बर्मिंघम में जीते कांस्य को स्वर्ण में बदलने को उत्सुक होंगी।

एथलेटिक्स में भारत के 32 खिलाड़ी करेंगे जोरआजमाइश

भारत ने एथलेटिक्स में 32 सदस्यीय दल उतारा है जो 22 पदक स्पर्धाओं में भाग लेगा। इसकी अगुवाई दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा करेंगे। वह इस बार पदक के प्रबल दावेदार के रूप में नहीं बल्कि चैलेंजर के रूप में उतरेंगे। श्रीलंका के रुमेश थरंगा पुरुषों के भालाफेंक में प्रबल दावेदार हैं, जिन्होंने पिछले महीने लंग डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो फेंककर सनसनी फैला दी थी। पेरिस ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम भी दौड़ में हैं लेकिन चोपड़ा भी दावेदारी में से हैं।

एशियाई खेलों का इंतजार कर रहा हूं : कुजूर

अनिमेष कुजूर को इस बात की कोई चिंता नहीं है कि भारत के सबसे तेज धावक का तमगा अब गुरिंदरवीर सिंह के पास चला गया है, बल्कि 200 मीटर दौड़ का यह राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी चाहता है कि आगामी राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में उनका प्रदर्शन ही सब कुछ बयां करे। इस साल की शुरुआत में ओडिशा में गुरिंदरवीर ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसके बाद कुजूर से अक्सर यह पूछा जाता रहा है कि क्या वह यह खिताब वापस हासिल करेंगे। जब कुजूर से भारत के सबसे तेज धावक का तमगा वापस पाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'बस एशियाई खेलों का इंतजार कर रहा हूं।' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'हां, बस एशियाई खेलों तक इंतजार कीजिए। फिर हम दोबारा बात करेंगे।'

खबर संक्षेप

यॉर्कशर के लिए खेलेंगे कुलदीप यादव

लीड्स। भारत की एकादश में बार-बार अनदेखी किए जाने के बाद बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने शीर्ष इंग्लिश काउंटी टीम यॉर्कशर के लिए मौजूदा सत्र में 8 मैच खेलने का करार किया। यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब ने अपनी वेबसाइट पर घोषणा की, 'यॉर्कशर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्पिनर कुलदीप यादव के साथ विदेशी खिलाड़ी के तौर पर करार करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

अपने गांव में मुक्केबाजी अकादमी खोलेंगे विजेंदर

नई दिल्ली। पूर्व दिग्गज मुक्केबाज विजेंदर सिंह अब हरियाणा में अपने पैतृक गांव में एक ट्रेनिंग अकादमी बनाकर कोचिंग की दुनिया में कदम रखना चाहते हैं और उन्होंने इस परियोजना के लिए खेल मंत्रालय से मदद मांगी है ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले पूर्व मुक्केबाज ने कहा कि उनका प्रस्ताव मंत्रालय के पास है मंत्रालय 'राष्ट्रीय खेल विकास कोष' के जरिए मदद देने का फैसला करने से पहले प्रस्ताव की बारीकी से जांच कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हां, मैं अपनी मुक्केबाजी अकादमी खोलने की योजना बना रहा हूं।

वनडे कप्तानी हटे शाहिदी खेलेंगे आयरलैंड सीरीज

काबुल। अनुभवी बल्लेबाज हशमतुल्लाह शाहिदी ने अफगानिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है लेकिन वह बतौर खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे। 31 वर्ष के शाहिदी 2022 की शुरुआत में वनडे टीम के कप्तान बने थे और 2023 वनडे विश्व कप तथा 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के कप्तान रहे। वह अफगानिस्तान की टेस्ट टीम के भी कप्तान हैं। आज मैं पूरे सम्मान और सहमति से निजी कारणों की वजह से अपनी टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे रहा हूं।

अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का सुनहरा मौका

3 मैचों की टी20 सीरीज का पहला मैच आज शाम 4.30 बजे से

दबाव में 'कप्तान' अय्यर, जिम्बाब्वे के खिलाफ पहली जीत की तलाश

हरारे

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान पहली जीत दर्ज करने को बेताब होंगे जब उनकी युवा भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में गुरुवार को उतरेगी।

कप्तान के रूप में पहले सात टी20 मैचों में से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ छह गंवा चुके अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का यह सुनहरा मौका है। जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत अपेक्षित है लेकिन अगर हार गए तो उस ड्रेसिंग रूम की हालत का अनुमान ही लगाया जा सकता है, जिसमें 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी भी हैं।

एक बार फिर नजरें सूर्यवंशी पर

भारत ने इस दौरे के लिए वीवीएस लक्ष्मण को कोच के रूप में भेजा है, जिनकी क्लासिक आक्रामक कोच गौतम गंभीर से एकदम उलट है। ऐसा नहीं है कि गंभीर जोखिम नहीं चाहते लेकिन अंतिम एकादश के साथ प्रयोग करने की उनकी आदत गंभीर की तुलना में कम है। एक बार फिर नजरें 'वंडर ब्वॉय' सूर्यवंशी पर होंगी, जो अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करेंगे क्योंकि संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है।

गेंदबाजों का चुनाव भारत की चुनौती

भारत के सामने असली चुनौती हर्ष दुबे, शिवम दुबे और सुयांश शेडगे में से एक को चुनने की है। तीनों में से कोई भी खुद हरफनमौला नहीं है। ऐसे में तीनों को भी उतारा जा सकता है। शिवम की सीम और स्पिन गेंदबाजी के सामने बतौर बल्लेबाज परेशानी आई है। लेकिन उन्हें दो टी20 विश्व कप जीतने का अनुभव है। वहीं शेडगे की गेंदबाजी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है तो हर्ष अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं।

मैच का समय : शाम 4.30 बजे

उतार-चढ़ाव के बाद भी मेरा आत्मविश्वास बरकरार : वैभव

वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से पहले उनका आत्मविश्वास पूरी तरह कायम है। 15 वर्षीय सूर्यवंशी को भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 दौरे में शामिल किया गया। सूर्यवंशी ने कहा, 'हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। लेकिन मुझे अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखना है और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।' उन्होंने स्वीकार किया कि कम उम्र में ऐसी स्थितियों से उबरना आसान नहीं होता, लेकिन उन्हें अपने आसपास के लोगों और कोचिंग स्टाफ से पूरा सहयोग मिला, जिससे वह दोबारा अपना ध्यान खेल पर केंद्रित कर सके। उन्होंने कहा, 'यह स्वाभाविक है कि मुझे जिस भी तरह की मदद या मार्गदर्शन चाहिए, लोग मुझे उपलब्ध करा रहे हैं। जिसका आभारा मुझे चाहिए, वह भी मिल रहा है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास से भरा हूं।

टीमें इस प्रकार

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सुयांश शेडगे, शार्दुल ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन कुरेन, ब्राड इवांस, वेलिंग्टन मासाकाद्जा, टी. मारुमनी, वेलिंग्टन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड एनगरावा, न्यूमैन न्यामहुरी, ब्रेंडन टेलर।

आईसीसी वनडे रैंकिंग

टॉप-5 में भारत के 3 बल्लेबाज गिल नंबर-1 के बेहद नजदीक

नई दिल्ली

■ कोहली–रोहित का जलवा कायम

टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के अलावा दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद जारी नवीनतम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पांच में शामिल हैं।

गिल दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल के बेहद करीब हैं।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में भारत की 1-2 की हार के दौरान तीन मैच में 188 रन बनाए और वह शीर्ष पर चल रहे मिचेल (802 अंक) से सिर्फ एक अंक पीछे हैं। कोहली (767) और रोहित (758) क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

आठवें पायदान पर रूट

इंग्लैंड के जो रूट चार स्थान की छलांग के साथ आठवें पायदान पर हैं। टीम के उनके साथी बेन डकेट भी 11 स्थान की लंबी छलांग के साथ संयुक्त 19वें पायदान पर हैं जैकब बेथेल भी पांच स्थान के फायदे से 64वें स्थान पर हैं। श्रेयस अय्यर एकदिवसीय रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से 13वें पायदान पर हैं।

कुलदीप टॉप टेन से बाहर

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर एक स्थान के फायदे से पाकिस्तान के अबरार अहमद के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

सीनियर विश्व तलवारबाजी चैंपियनशिप

तनिष्का और प्राची ने एलिमिनेशन ड्रॉ में बनाई जगह

विश्व मंच पर तनिष्का व प्राची ने रचा इतिहास

हांगकांग

भारतीय तलवारबाज तनिष्का खत्री और प्राची लोहान इतिहास रचते हुए सीनियर विश्व तलवारबाजी चैंपियनशिप में 64 खिलाड़ियों के मुख्य एलिमिनेशन ड्रॉ में जगह बनाने वाली पहली भारतीय महिला एपी खिलाड़ी बनीं।

9 दिवसीय चैंपियनशिप के पहले दिन प्रतिस्पर्धा करते हुए तनिष्का और प्राची ने राउंड रोबिन पूल और शुरुआती एलिमिनेशन दौर की बाधा को पार करते हुए मुख्य एलिमिनेशन ड्रॉ में जगह बनाई, जो भारतीय तलवारबाजी के लिए अहम उपलब्धि है। ये दोनों अब 25 जुलाई को 64 खिलाड़ियों के एलिमिनेशन ड्रॉ में चुनौती पेश करेंगी, जहां उनका लक्ष्य शीर्ष 32 खिलाड़ियों में जगह बनाना होगा। पुरुष व्यक्तिगत फॉयल स्पर्धा में सचिन 107वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय खिलाड़ी रहे। आदित्य ने 137वां, सेनासम हेमाक्ष सिंह ने 143वां और तेजस मनोज पाटिल ने 149वां स्थान हासिल किया। कोई भारतीय तलवारबाज मुख्य ड्रॉ में जगह नहीं बना पाया।

आखिरी वनडे जीता वेस्टइंडीज, सीरीज पर न्यूजीलैंड का कब्जा

ब्रिजटाउन। शिमरोन हेटमायेर के नाबाद 69 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने पांचवें और आखिरी वनडे में न्यूजीलैंड को 2 विकेट से हराया। न्यूजीलैंड ने हालांकि श्रृंखला 3-2 से जीत ली है। पहले मैच में वेस्टइंडीज ने 7 विकेट से जीत दर्ज की थी, जिसके बाद न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच 5 विकेट से और तीसरा 6 विकेट से जीता। चौथा मैच भी न्यूजीलैंड ने जीता था। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 268 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज ने 15 गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। हेटमायेर ने शेरफान रदरफोर्ड (61) के साथ 95 रन की साझेदारी की।

एटीपी टूर: बाएज ने केकमनोविच को दी मात, दूसरे दौर में मारी एंट्री

किट्ज़बुहेल

अर्जेंटीना के स्टार टेनिस खिलाड़ी सेबेस्टियन बाएज ने 'जेनराली ओपन' के पहले दौर में मियोमिर केकमनोविच को मात दी। ऑस्ट्रिया के शहर किट्ज़बुहेल में जारी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में बाएज ने कड़े मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्बियाई खिलाड़ी को शिकस्त दूसरे दौर में जगह बनाई। किट्ज़बुहेल में एटीपी 250 इवेंट में दो पूर्व चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में, बाएज ने 6-3, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की। यह केकमनोविच के साथ उनके चार टूर-लेवल मुकाबलों में पहली जीत थी।

अगले दौर में पहुंचकर खुश हूं : बाएज

एटीपी रैंकिंग में पूर्व नंबर 19 खिलाड़ी बाएज ने कहा, मुझे वापस आकर खुशी हो रही है, क्योंकि यह जगह बहुत पसंद है। मुझे यहां के लोग, भीड़, कोर्ट, शहर, सब कुछ पसंद है। हम एक-दूसरे को कई सालों से जानते हैं। मुझे लगता है कि आज अहम बात यह थी कि प्रत्येक प्वाइंट पर डटे रहें और फोकस बनाए रखें, क्योंकि यहां ऊंचाई की वजह से कभी-कभी गेंद को कंट्रोल करना मुश्किल होता है।

अब रिंडरकनेच से सामना

बाएज ने घरेलू पसंदीदा डोमिनिक थिएम को शिकस्त देकर ऑस्ट्रियाई आल्प्स में 2021 का खिताब अपने नाम किया था। अब वह इस साल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए तीसरी वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच का सामना करेंगे।

युवा हॉकी5 एशियाई चैंपियनशिप: भारत ने ओमान को 14- 0 से हराया

युवा हॉकी टीम की ओमान और पाक पर शानदार जीत

मस्कट

भारतीय सब जूनियर लड़कों की टीम ने एफआईएच युवा हॉकी5 एशियाई चैंपियनशिप में पाकिस्तान और ओमान को हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा।

केतन कुशवाहा की कप्तानी में भारत ने ओमान को 14- 0 से हराया, जिसमें कप्तान ने चार गोल किए और आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक लगाई। राहुल यादव और शाहनवाज अली ने दो-दो, प्रहलाद राजभर, करण गौतम और रोहित पाल ने एक-एक गोल दागा।

भारत ने पाकिस्तान को 7-4 से हराया

पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने 7-4 से जीत दर्ज की, जिसमें करण गौतम ने तीन गोल किए। राहुल यादव, प्रहलाद राजभर, कप्तान कुशवाहा, रोहित पाल ने एक-एक गोल किया। पाकिस्तान के लिए अहसान मुहम्मद फरहान और आदिल ने एक जबकि उस्मान मुहम्मद ने दो गोल किए।

गर्ल्स टीम ने उज्बेकिस्तान को 16-0 से हराया

भारतीय सब जूनियर लड़कियों ने चीन से 2-2 से ड्रॉ खेला और उज्बेकिस्तान को 16-0 से हराया। चीन के लिए येन लि और जियांग्शिन गुओ ने गोल किए जबकि भारत के लिए नवनीत लाल ने दो गोल दागे। उज्बेकिस्तान के खिलाफ नवनीत लाल ने चार, संजीता कुमारी और कप्तान स्वीटी कुजूर ने तीन-तीन, प्रिया और पुष्पा ने दो-दो जबकि किरण इक्का और नीलम टोप्पो ने एक-एक गोल दागे। यह टूर्नामेंट पहले एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप का क्वालीफायर भी है।

सिंधू और लक्ष्य दूसरे दौर में, शेट्टी ने फरहान को हराकर उलटफेर किया

चांगझोउ

आयुष शेट्टी ने बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी अल्वी फरहान को हरा दिया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने हमवतन उन्नति हुड्डा की कड़ी चुनौती से पार पाकर बुधवार को यहां चाइना ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारत के नंबर एक पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने भी अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने जापान के दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी यूशी तनाका को 53 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 22-20, 15-21, 21-14 से हराया। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर मौजूद भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में कनाडा के आठवीं वरीयता प्राप्त विक्टर लाई का सामना करेंगे। लाई विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर हैं। जापान ओपन जीतकर दो साल के खिताबी सूखे को खत्म करने वाली सिंधु को 18 वर्षीय उन्नति के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

उन्होंने 56 मिनट तक चले महिला एकल मुकाबले में उन्नति को 21-14, 9-21, 21-10 से शिकस्त दी। उन्नति ने पहले गेम में सिंधु को कड़ी टक्कर दी और स्कोर 7-7 तक बराबरी पर रखा। इसके बाद सिंधु ने लय हासिल करते हुए पांच अंक जीतकर 12-8 की बढ़त बनाली और पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में उन्नति ने शानदार वापसी की। 2-2 की बराबरी के बाद उन्होंने 6-3 की बढ़त बनाई और फिर लगातार छह अंक जीतकर स्कोर 12-4 कर लिया।

एरिगेसी से ड्रॉ खेलकर फिरोजा बने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स चैंपियन

चेन्नई। फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने बुधवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी के खिलाफ सातवें और अंतिम दौर की बाजी ड्रॉ खेलकर चौथे चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फिरोजा ने सात दौर में दो जीत और पांच ड्रॉ के साथ कुल 4.5 अंक हासिल किए। उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत लगातार दो जीत से की थी और अंतिम दौर में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों एरिगेसी और उज्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर आधे अंक की बढ़त के साथ पहुंचे। खिताब जीतने की कोशिश में काले मोहरों से खेल रहे अब्दुसत्तोरोव को ग्रैंडमास्टर दिमित्री आंद्रेइकिन ने 37 चालों में हरा दिया। इससे फिरोजा को चैंपियन बनने के लिए एरिगेसी के खिलाफ केवल ड्रॉ की दरकार थी और उन्होंने 41 चाल में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर खिताब सुनिश्चित कर लिया।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

हाई बीपी की वजह से जब महसूस हो सिरदर्द

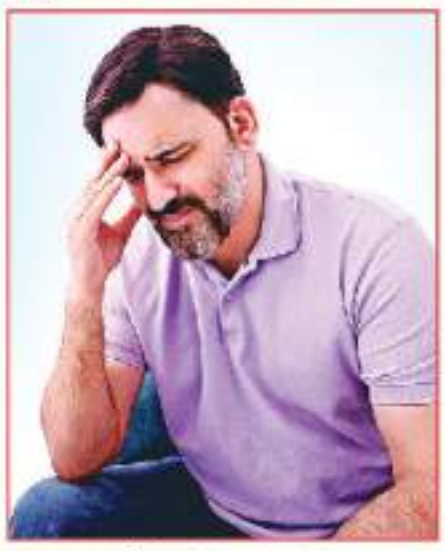

मेरी उम्र 43 वर्ष है। हाल ही में मुझे हाई बीपी की समस्या का पता चला। अकसर सिरदर्द और चक्कर महसूस होता है। कृपया बताएं मुझे कौन सी दवा और कैसी डाइट लेनी चाहिए ?

-शेखर, बिलासपुर

आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। वे एक हफ्ते तक बीपी मॉनिटर करेंगे। आपका बीपी कब बढ़ता है, किस समय ज्यादा होता है, इसका पता करेंगे। इसके बाद वह दवा डिसाइड करेंगे। बिना जांच के कोई भी बीपी की दवा खाना ठीक नहीं रहेगा। इसलिए डॉक्टर पूरा मॉनिटर करने के बाद ही दवा सजेस्ट करेंगे। उसे आपको रेग्युलर खाना होगा।

मेरी उम्र 32 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी स्किन पर लाल-लाल दाने और रैशेज हो जाते हैं। इनमें इचिंग होती है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-जितेश, जांजगीर चांपा

आपने यह नहीं बताया कि ये दाने पानी वाले हैं या सूखे? क्योंकि दोनों तरह के दाने का कारण अलग-अलग होते हैं। फिलहाल आप इन दानों को नाखून से खुजलाएं नहीं और इन पर नारियल का तेल लगाएं। अगर ज्यादा परेशानी हो रही हो तो आप त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं। फिलहाल कोई भी एंटी एलर्जी दवा आप ना लें।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरे पैर की अंगुलियों के बीच फफोले पड़ जाते हैं। इससे चलने-फिरने में काफी दिक्कत होती है। कृपया बताएं कि इससे कैसे निजात पाया जाए ?

-देवेंद्र, महासमुंद

क्या आपके पैर बरसाती पानी में अधिक रहते हैं? क्योंकि कई बार इस पानी में गंदगी मिली होती है, जिससे पैरों में इंफेक्शन हो जाता है। अगर ऐसा है तो आप घर आकर पैरों को साबुन से धोएं और ठीक तरीके से पोंछें। अगर संभव हो तो डिसइंफेक्टेंट मिले पानी से धुलें और फिर उस के बाद सुखाकर नारियल तेल भी लगा सकते हैं। इससे आपको राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। कुछ माह पहले किडनी में स्टोन का ऑप्रेशन हुआ था। कुछ दिनों से उसी स्थान पर दर्द हो रहा है। प्लीज बताएं अब मुझे क्या करना चाहिए ?

-मुकेश, भोपाल

आपको डॉक्टर से संपर्क कर एक अल्ट्रासउंड कर लेना चाहिए। अगर आपका ऑप्रेशन हो चुका है तो स्टोन के दर्द की संभावना बहुत कम है। हो सकता है कि इंफेक्शन की वजह से यह समस्या आ रही हो, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी करना ठीक नहीं है।

मेरी उम्र 50 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मुझे सर्दी-खांसी की समस्या लगातार बनी हुई है। कफ-सिरप और दवाइयां भी कुछ खास असर नहीं कर रहीं। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-कमलेश, जींद

आप बता रहे हैं कि खांसी लंबे समय से आ रही है तो आपको डॉक्टर से संपर्क कर जांच करवा लेनी चाहिए। वैसे भी 2 सप्ताह से अधिक खांसी होने पर टीबी की जांच जरूर करा लेनी चाहिए। मौजूदा मौसम में वायरल इंफेक्शन भी हो जाता है, जिससे खांसी आती है। लेकिन आप फिलहाल फ्रिज में रखी चीज और ठंडा पानी पीना बिल्कुल बंद कर दें। बाजार का पानी भी न पिएं। इसके बाद भी राहत नहीं मिलती तो जरूर डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। बरसात के मौसम में मेरी अस्थमा की समस्या बढ़ जाती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्या करूं, जिससे इस बरसात के मौसम में स्वस्थ रह सकूं।

-रत्नेश्वर, जबलपुर

आपको घर से निकलते समय मुंह और नाक पर मास्क लगा लेना चाहिए। साथ ही जब तेज हवा या आंधी चले तो कोशिश करें घर के अंदर रहें, क्योंकि अस्थमा रोगियों को धूल से दिक्कत हो जाती है। इस तरह बचाव करके ही आपको राहत मिलेगी। लेकिन ज्यादा दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर आप इनहेलर या कोई दवा लिखवा सकते हैं। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

स्पेशलः वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे, 28 जुलाई

हेपेटाइटिस, लिवर यानी यकृत में होने वाला गंभीर वायरल संक्रमण है। अलग-अलग कारणों, लक्षणों और गंभीरता के स्तर पर इसके कई प्रकार होते हैं। इन सभी का प्रॉपर ट्रीटमेंट संभव है लेकिन इसके लिए समय रहते हेपेटाइटिस की पहचान होना जरूरी है। इसलिए यहां डिटेल में हेपेटाइटिस के कारणों, उसके लक्षणों और इससे बचने के उपायों के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर्स बता रहे हैं।

हेपेटाइटिस समय पर पहचान से पॉसिबल है प्रॉपर ट्रीटमेंट

डॉक्टर्स एडवाइस

हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हेपेटाइटिस के प्रति जागरूक करना, समय पर जांच कराने के लिए प्रेरित करना और इस बीमारी से होने वाली गंभीर जटिलताओं को रोकना है।

कैसे फैलता है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस रोग और इसके होने के कारणों के बारे में रीजेंसी हॉस्पिटल, गोरखपुर के कंसल्टेंट-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, डॉ. सचिन एच. जे. बताते हैं कि हेपेटाइटिस एक वायरल संक्रमण है, जिसमें लिवर (यकृत) में सूजन आ जाती है। यह मुख्य रूप से हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई वायरस के कारण होता है। इनमें हेपेटाइटिस ए और ई आमतौर पर दूषित भोजन और पानी के सेवन से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित इंजेक्शन, संक्रमित सुई, असुरक्षित यौन संबंध तथा संक्रमित मां से नवजात शिशु में फैल सकते हैं। वहीं, हेपेटाइटिस डी केवल उन लोगों में होता है जो पहले से हेपेटाइटिस बी से संक्रमित होते हैं। संक्रमण के प्रकार के अनुसार बीमारी कुछ मामलों में कुछ सप्ताह में ठीक हो सकती है, जबकि कई मामलों में यह लंबे समय तक लिवर को नुकसान पहुंचाकर गंभीर रूप ले सकती है।

लापरवाही हो सकती है खतरनाक

हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लिवर में सूजन आ जाती है। यदि समय रहते इसका इलाज न कराया जाए तो यह लिवर सिरोसिस, लिवर फेलियर और लिवर कैंसर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है।

नहीं दिखते स्पष्ट लक्षण

हेपेटाइटिस रोग होने पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि शुरुआती चरण में अकसर इसके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। यही वजह है कि कई लोग वर्षों तक इस संक्रमण के साथ सामान्य जीवन जीते रहते हैं और उन्हें पता ही नहीं चलता कि उनका लिवर धीरे-धीरे प्रभावित हो रहा है। जब तक लक्षण सामने आते हैं, तब तक बीमारी कई बार गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी होती है। इसलिए हेपेटाइटिस के सामान्य लक्षणों के बारे में सजग रहना बहुत जरूरी है।

हेपेटाइटिस के प्रमुख लक्षण

हेपेटाइटिस के लक्षण अलग-अलग रोगियों में अलग तरह के हो सकते हैं। इसके प्रमुख लक्षणों में बिना कोई परिश्रम किए लगातार थकान महसूस होना, भूख कम लगना, मितली, उल्टी, लंबे समय तक हल्का बुखार बने रहना, पेट के दाईं ओर दर्द, आंखों और त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), गहरे रंग का पेशाब आना, हल्के रंग का मल तथा शरीर में कमजोरी शामिल हो सकती है। ऐसे किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर बिना देरी किए डॉक्टर से परामर्श लेकर आवश्यक जांच करानी चाहिए। इसमें लापरवाही बरतना जान लेवा हो सकता है।

टीकाकरण-इलाज से बचाव संभव

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन, डॉ. संचयन रॉय, हेपेटाइटिस से बचाव के लिए कुछ सरल लेकिन प्रभावी उपायों के बारे में बताते हैं। उनके अनुसार, 'हेपेटाइटिस बी का सुरक्षित और प्रभावी टीका उपलब्ध है, इसलिए नवजात शिशुओं से लेकर जोखिम वाले वयस्कों तक सभी को डॉक्टर की सलाह के अनुसार टीकाकरण कराना चाहिए। साफ और सुरक्षित पानी का ही सेवन करें, भोजन की स्वच्छता का ध्यान रखें, केवल नई और स्टेराइल सुई का इस्तेमाल करें। बिना जांचे हुए रक्त कभी ट्रांसफ्यूज न करवाएं। हमेशा सुरक्षित यौन संबंध अपनाएं। टैटू या पियर्सिंग हमेशा प्रमाणित केंद्रों पर ही कराएं। यानी जहां पर हाइजीन और सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति को हेपेटाइटिस बी या सी का खतरा है या परिवार में किसी को यह संक्रमण है, तो समय पर ब्लड टेस्ट कराना बेहद जरूरी है। आज हेपेटाइटिस बी को दवाओं से नियंत्रित किया जा सकता है और हेपेटाइटिस सी का आधुनिक एंटीवायरल दवाओं से अधिकांश मामलों में सफल इलाज संभव है। इसलिए समय पर जांच और उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।'

सबसे जरूरी है जागरूकता

हेपेटाइटिस के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार जागरूकता, समय पर जांच, टीकाकरण और सही इलाज है। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि कई लोगों में लंबे समय तक कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते, जिससे संक्रमण का पता देर से चलता है। ऐसे में जोखिम वाले लोगों को नियमित जांच करानी चाहिए और लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

इन उपायों से होगा बचाव

हेपेटाइटिस से बचाने के लिए आप अपने दैनिक जीवनचर्या में यहां बताई जा रही बातों को अमल में लाकर सुरक्षित रह सकते हैं।

- हमेशा स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली को अपनाएं।
- स्वच्छ, ताजे और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। हमेशा स्वच्छ और संक्रमणमुक्त पानी ही पिएं। सबसे ज्यादा संक्रमण पानी से ही होता है इसलिए आरओ का पानी या फिल्टर किया हुआ पानी या फिर अच्छी तरह उबाले गए पानी को ही ठंडा कर पीना चाहिए।
- जब भी इंजेक्शन लगवाना हो तो केवल स्टेराइल सुई या डिस्पोजेबल नीडिल का ही का उपयोग करना चाहिए।
- संक्रमित रक्त से बचाव भी जरूरी है। इसलिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन से पहले जरूरी सावधानी बरतें। परीक्षित रक्त ही ट्रांसफ्यूज करवाएं।
- हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई से संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बचना चाहिए क्योंकि इसका संक्रमण रोगी के संपर्क में आने से फैल सकता है।

ये सभी उपाय संक्रमण रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने लिवर के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और समय रहते सही कदम उठाए, तो हेपेटाइटिस से होने वाली अधिकांश गंभीर जटिलताओं और मौतों को रोका जा सकता है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

सीजनल केयर

निकिता चौहान

आयुर्वेदिक काढ़े से बढ़ेगी इम्यूनिटी

मानसून के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहता है। इस कारण कुछ लोगों को जुकाम, खांसी, स्किन पर रैशेज, दाने, लूजमोशन, बुखार आदि समस्याएं होने लगती हैं। ऐसा उन लोगों के साथ ज्यादा होता है, जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी थोड़ी वीक होती है। इसलिए यहां आपको कुछ ऐसी जड़ी-बूटियों के बारे में बता रहे हैं, जिनका काढ़ा आप घर में ही आसानी से बनाकर पी सकते हैं, इससे आपकी इम्यूनिटी मजबूत होगी।

गिलोयः गिलोय की तासीर एंटी-पायरेटिक होती है, जो शरीर की गर्मी को खत्म करती है और कई बीमारियों से राहत दिलाता है जैसे डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार आदि में गिलोय का काढ़ा राहत प्रदान करता है।

अश्वगंधाः अश्वगंधा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो मानसून में होने वाले वायरल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

चिरायताः बारिश के मौसम में पेट का संक्रमण बढ़ जाता है। जिस कारण एसिडिटी और लूज मोशन होने लगते हैं। चिरायता में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं, जो हमारे पेट के संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं।

मुलेठीः मानसून में उमस के करण शरीर पर चिपचिपाहट बढ़ जाती है, जिस वजह से रैशेज और खुजली होती है। मुलेठी में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है।

सोंठः बारिश के मौसम में पेट खराब होने के साथ, जुकाम, खांसी और बुखार आदि के मामले बढ़ जाते हैं। सोंठ में एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इसका काढ़ा पीने से मानसून में होने वाली बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

मोथा घासः मोथा घास को आयुर्वेद में बेहद लाभकारी माना गया है। यह मानसून सीजन में होने वाली खांसी, जुकाम, बुखार और स्किन से जुड़ी समस्यायों से राहत प्रदान करता है।

आमलकीः आमलकी में विटामिन-सी खूब पाया जाता है, जो मानसून में होने वाली बीमारियों से बचाव करता है।

बनाने का तरीकाः यहां बताई गई सभी जड़ी-बूटियों को 30-30 ग्राम लें। सिर्फ सोंठ को 20 ग्राम ही लें। सभी को रात में पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद सुबह सभी जड़ी बूटियों को पानी में डालकर तेज आंच पर गर्म कर लें। अब काढ़ा तैयार है। फिर इसको हल्का ठंडा होने के बाद आधा गिलास सुबह और आधा गिलास शाम को पिएं। यह काढ़ा इस मौसम में रोगों से बचाव में बहुत उपयोगी है। लेकिन बेहतर होगा कि अपने डॉक्टर से कंसल्ट करके ही इस काढ़े का सेवन करें। *

(आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. श्रेय शर्मा से बातचीत पर आधारित)

डिजीज

अंशु सिंह

सीआरपीएस एक असामान्य लेकिन बहुत पीड़ादायक समस्या है। यह वास्तव में नर्व्स से जुड़ी समस्या है। ऐसे में इसके लक्षणों को पहचानकर सही उपचार से ही रोगी को राहत मिल सकती है। इस बारे में विस्तार से जानिए।

सीआरपीएस यह दर्द सहा न जाए

कहते हैं कि ज्यादातर दर्द कोई न कोई संदेश देता है। यह आपके शरीर की चोट के बारे में बताता है, आराम करने के लिए प्रेरित करता है। चोट ठीक होने पर धीरे-धीरे कम हो जाता है। लेकिन कुछ लोगों में दर्द लंबे समय तक बना रहता है। कई बार तेज हो जाता है। मूल चोट के ठीक हो जाने के काफी समय बाद अपनी ही एक अलग स्थिति बना लेता है। इसे ही 'कॉम्प्लेक्स रीजनल पेन सिंड्रोम' या सीआरपीएस कहते हैं, जो व्यक्ति की चाल-ढाल, संवेदना, त्वचा और जीवन की गुणवत्ता को बुरी तरह प्रभावित करती है। हाल ही में अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह के बेटे आयुष्मान सेठी ने इंस्टाग्राम रील में मां की हिम्मत की तारीफ की कि कैसे साल 2025 में कलाई में चोट लगने के बाद उन्हें सीआरपीएस हो गया था। फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के सेट पर चोट लगने के बाद हुई इस बीमारी ने अर्चना के हाथ पर स्थाई असर डाला।

क्या है सीआरपीएसः नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ के अध्ययन के अनुसार, सीआरपीएस एक लंबे समय तक रहने वाली न्यूरोपैथिक दर्द की बीमारी है, जिसमें चोट लगने के बाद होने वाले सामान्य दर्द की तुलना में दर्द बहुत ज्यादा रहता है। वह लंबे समय तक बना रहता है। यह दर्द को आमतौर पर जलन, चुभन या धड़कन जैसा होता है। कलाई टूटने, सर्जरी के दौरान लगे कट या मामूली मोच जैसी चीजों से शुरू होने वाली यह समस्या आगे चलकर पूरे शरीर में होने वाले गंभीर दर्द में बदल सकती है। यह दो प्रकार के होते हैं। टाइप 1, बिना किसी नर्व इंजरी के होता है जबकि टाइप 2, नर्व डैमेज की पुष्टि होने के बाद होता है।

समस्या का मूल कारणः सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विशाल के अनुसार, सीआरपीएस एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल दर्द की स्थिति है, जिसमें किसी एक अंग, हाथ या पैर, चोट, फ्रैक्चर, सर्जरी या यहां तक कि मामूली आघात के बाद लॉन्ग पीरियड फंक्शनल और सेंसरी परिवर्तन विकसित करता है। यह कहीं से हड्डियों या मांसपेशियों को होने वाली क्षति की वजह से नहीं, बल्कि दर्द संकेतों की सही व्याख्या करने में तंत्रिका तंत्र की विफलता के कारण होता है। इस स्थिति में, मूल चोट ठीक होने के बाद भी मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी दर्द संदेश प्रसारित करना जारी रखते हैं। इससे लंबे समय तक दर्द, कठोरता, सूजन और गति में विकृति आती है। मोटर और ऑटोनॉमिक गड़बड़ियां होने से त्वचा का रंग बदलना, तापमान में बदलाव, सूजन, पसीना आना, अकड़न, कमजोरी और संवेदना में बदलाव आम है।

सीआरपीएस के लक्षणः जलन या चीरने जैसा दर्द, जो लगातार या रुक-रुक कर होता है। ऐसी चीजों से दर्द होना, जिनसे आमतौर पर दर्द नहीं होना चाहिए, जैसे हल्का छूना, हल्की हवा या तापमान में बदलाव। ऐसी चीजों पर बहुत ज्यादा दर्द महसूस होना, जिनसे आमतौर पर सिर्फ हल्की तकलीफ होती है, जैसे सुई चुभना। प्रभावित अंग पर धब्बे दिख सकते हैं। वह लाल, नीला, पीला या बैंगनी हो सकते हैं। प्रभावित हिस्से में सूजन (एडिमा) आ-जा सकती है या बनी रह सकती है। त्वचा चमकदार और पतली हो सकती है या उस पर बहुत ज्यादा पसीना आ सकता है। प्रभावित अंग को हिलाने की क्षमता कम होना, अकड़न बढ़ना, कंपन या मांसपेशियों में ऐंठन होना।

क्या है समाधानः जहां तक सीआरपीएस के उपचार का सवाल है, तो इसमें दर्द कम करने और शरीर को हलचल बनाए रखने पर ध्यान दिया जाता है। इसके लिए फिजियोथेरेपी, नसों के दर्द की दवाएं और कुछ खास मामलों में दर्द कम करने वाले इंटरवेंशनल प्रोसीजर का इस्तेमाल किया जाता है। डॉ. विशाल का कहना है कि मेंटल सपोर्ट भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक रहने वाला दर्द मानसिक रूप से बहुत परेशान करता है। हालांकि सीआरपीएस जानलेवा नहीं है, लेकिन यह जिंदगी अवश्य बदल सकता है। इसलिए बीमारी की गंभीरता के बारे में जानकारी होना जरूरी है, ताकि मरीज समय पर इलाज करवा सके। उसे कभी भी

06 विभागों शून्य जियो टैगिंग करने पर की नाराजगी व्यक्त, जल्द से जल्द शत प्रतिशत जियो टैगिंग करना सुनिश्चित करें:- डीएम

पौधों की नियमित सुरक्षा एवं देखरेख कर वृक्षारोपण की सफलता सुनिश्चित करें:-डी0एम0

- 27 विभागों को कराए गए वृक्षारोपण की अद्यावधिक स्थिति/जीवित पौध की सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश
- जिलाधिकारी ने जूम मीटिंग के माध्यम से की जिला वृक्षारोपण समिति की समीक्षा
- टीम गठित कर विभिन्न विभागों द्वारा कराए गए वृक्षारोपण का होगा भौतिक सत्यापन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन के द्वारा वर्ष 2026 हेतु जनपद में लगभग 01 करोड़ 03 लाख से अधिक पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके सापेक्ष वृक्षारोपण स्थलों की शत प्रतिशत जियो टैगिंग सुनिश्चित किया जाना है। आज जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने कलेक्ट्रेट कक्ष से जूम मीटिंग के माध्यम से जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक में जियो टैगिंग की समीक्षा करते हुए 06 विभागों द्वारा शून्य जियो टैगिंग पर नाराजगी व्यक्त की, उन्होंने कहा कि सभी विभाग जिन्होंने अभी तक किए गए लक्ष्य के सापेक्ष पौधारोपण की शत प्रतिशत जियो टैगिंग नहीं की है वह तत्काल शत प्रतिशत जियो टैगिंग करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पौधों का रखरखाव बेहतर हो, ताकि वह जीवित रहे, इस कार्य में हीला हवाली करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष किया गया वृक्षारोपण शत- प्रतिशत जीवित रहे, इसे भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के पश्चात् किन्हीं कारणों (तेज हवा, पानी, आंधी) से जो पेड़ टेढ़े मेड़े/झुक रहे हैं, उन्हें सहारा देकर सीधा किया किए जाने की समुचित व्यवस्था करते हुए थावलाबंधी की जाए तथा मृत पौधे के स्थान पर तत्काल स्वास्थ्य पौध का रोपण किया जाए।उन्होंने कहा कि माह जुलाई-2026 में अन्य विभागों द्वारा कराए गए वृक्षारोपण का अंतर्विभागीय स्थलीय सत्यापन कराए जाने हेतु टीम का गठन कर सत्यापन की कार्रवाई पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। तदपश्चात् जिलाधिकारी ने कतिपय विभागों द्वारा जियो टैगिंग के कार्य में संतोषजनक प्रगति न किये जाने के कारण नाराजगी व्यक्त करते हुए श्रम विभाग, परिवहन विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन, गृह विभाग, औद्योगिक विकास विभाग एवं रक्षा विभाग द्वारा शून्य जियो टैकिंग पर गहरा संतोष व्यक्त किया, उन्होंने सबसे कम प्रतिशत जियो टैगिंग करने वाले विभागों को ताकीद करते हुए निर्देश दिए कि समस्त विभाग उक्त कार्य में रूचि लेते हुए तत्काल शत प्रतिशत जियो टैगिंग करना सुनिश्चित करें अन्यथा सख्त कार्यवाही की जाएगी। जूम मीटिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी श्री विकास यादव ने बताया कि जनपद में 10379615 पौधारोपण के लक्ष्य के साथ सापेक्ष शत प्रतिशत लक्ष पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें रेशम विभाग एवं नमामि गंगे द्वारा सौ फीसदी जियो टैगिंग पूर्ण कर ली गई है। इसके अतिरिक्त सहकारिता विभाग ने 95% प्रतिशत जियोटेकिंग पूर्ण कर ली है।उन्होंने अन्य विभागों को भी जल्द से जल्द जियो टैगिंग करनी का सुझाव दिया। जूम मीटिंग में मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, अपर जिलाधिकारी नमामी गंगे श्री योगेन्द्र कुमार,उपायुक्त मनरेगा श्री शिखर कुमार श्रीवास्तव, डिप्टीसीएमओ डा0 अंशुमान तिवारी, डीपीआरओ डॉ0 बाल गोविन्द श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रति वर्मा सहित लोक निर्माण विभाग, कृषि विभाग, श्रम विभाग के अतिरिक्त समस्त समस्त विभागीय अधिकारी शामिल रहे।

'आज की पीढ़ी बेचैन, हर चीज का तुरंत हल चाहती हैं', सोनम रघुवंशी को जेल भेजकर सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा?

(यंग भारत न्यूज)

राजा रघुवंशी मर्डर केस में सोमन रघुवंशी को बड़ा झटका लगा है. हनीमून पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या करने के जुर्म में सोनम को एक बार फिर जेल जाना होगा. जी हां, सोनम रघुवंशी की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है.

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत रद्द करते हुए तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर मुकदमे की सुनवाई में देरी होती है तो छह महीने बाद सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत याचिका दाखिल कर सकती है. बता दें कि राजा रघुवंशी इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी थे. उनकी शादी सोनम रघुवंशी से हुई थी. सोनम रघुवंशी ने मेघालय में हनीमून के दौरान पति राजा की हत्या कर दी थी. दरअसल, सोनम रघुवंशी को मिली जमानत के खिलाफ मेघालय सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी. इसी पर सुनवाई के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया. सुनवाई के दौरान सोनम रघुवंशी के वकील ने कहा कि मामले में कुल 94 गवाह हैं, लेकिन अब तक सिर्फ चार गवाहों के बयान दर्ज हुए हैं. सप्लीमेंट्री चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी है और सोनम को कड़ी शर्तों के साथ जमानत मिली थी. सोनम ने सरेंडर नहीं किया था, बल्कि उन्हें उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया था. उनकी गिरफ्तारी को सरेंडर बताया जा रहा है. उन्होंने अदालत से कहा कि सोनम जमानत की सभी शर्तों का पालन कर रही हैं और उनके फरार होने का कोई खतरा नहीं है. वहीं, मेघालय सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गिरफ्तारी के आधार को लेकर दी जा रही दलीलों का कोई आधार नहीं है, क्योंकि आरोपी ने खुद सरेंडर किया था और इस बात का उल्लेख चार्जशीट में भी दर्ज है. जिस दस्तावेज को लेकर विवाद किया जा रहा है, उसमें सिर्फ एक कानूनी धारा का नंबर टाइप करने में तकनीकी गलती हुई थी. इतनी छोटी तकनीकी त्रुटि के आधार पर जमानत नहीं मिलनी चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि यदि जमानत बरकरार रहती है तो सोनम रघुवंशी के फरार होने की आशंका बनी रहेगी. पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सोनम रघुवंशी के वकील को दो विकल्प दिए थे. अदालत ने पूछा था कि क्या सोनम स्वयं सरेंडर करेंगी या फिर कोर्ट उनकी जमानत रद्द करने पर फैसला सुनाए. अपने जवाब में सोनम रघुवंशी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि वह बेगुनाह हैं और उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है. उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष का पूरा मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है और केवल आरोपों के आधार पर उन्हें दोषी नहीं माना जा सकता. सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बदलते समाज और नई पीढ़ी को लेकर भी अहम टिप्पणियां कीं. अदालत ने कहा, 'आज की पीढ़ी हमसे ज्यादा जानकार हो सकती है, लेकिन दबाव से निपटने के मामले में ज्यादा कमजोर है. इस पर एसजी तुषार मेहता ने कहा, 'जानकारी ज्यादा है, लेकिन ज्ञान नहीं.' जस्टिस वराले ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'आजकल व्हाट्सऐप पर जो कुछ भी साझा किया जाता है, उसे ही ज्ञान मान लिया जाता है.' अदालत ने कहा कि आज की पीढ़ी बहुत बेचैन है और हर समस्या का तुरंत समाधान चाहती है. संयुक्त परिवार में रहने से लोग निराशा और परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाना सीखते हैं, जबकि न्यूक्लियर फैमिली में छोटी-छोटी बातों पर लोग परेशान हो जाते हैं. अदालत ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि उसने हाल ही में एक होटल में देखा कि रोते हुए बच्चे को शांत कराने के लिए माता-पिता ने तुरंत मोबाइल फोन दे दिया. कोर्ट ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताया और कहा कि बच्चों की भावनाओं को समझने के बजाय उन्हें गैजेट थमा दिए जा रहे हैं. इस पर एसजी तुषार मेहता ने भी कहा कि एक रिपोर्ट के अनुसार न्यूक्लियर फैमिली सिस्टम के बढ़ने से डिप्रेशन के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है.

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में परास्नातक नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

'अर्थशास्त्र एक दर्शन है, वाणिज्य एक गतिविधि है और प्रबंधन एक रणनीति है। ': प्रोफेसर बाजपेयी

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त विभाग में परास्नातक प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन के विभिन्न आयामों से परिचित कराते हुए उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास की दिशा निर्धारित करना रहा।

कार्यक्रम में प्रख्यात अर्थशास्त्री एवं शिक्षाविद् प्रोफेसर ए.डी.एन. बाजपेयी का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रोफेसर बाजपेयी का अर्थशास्त्र के क्षेत्र में समृद्ध अकादमिक अनुभव रहा है तथा वे देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। बैंकिंग, अर्थशास्त्र एवं वित्त विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शम्भू नाथ सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर ए.डी.एन. बाजपेयी द्वारा एक पौधा रोपित किया गया। यह पौधा एमबीए के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक स्मृति एवं उनके विश्वविद्यालय जीवन की स्थायी पहचान के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मुकेश पांडेय ने विभाग को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रोफेसर ए.डी.एन. बाजपेयी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने विद्यार्थियों, युवाओं एवं देश के भावी नेतृत्व के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान किया और अपने अनुभवों एवं ज्ञान से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया।कार्यक्रम में प्रोफेसर सी.वी. सिंह, डॉ. अतुल गोयल, डॉ. ईरा तिवारी, डॉ. ज्योति कुमारी मिश्रा, डॉ. शिल्पा मिश्रा, डॉ. राधिका चौधरी, डॉ. फुरकान मलिक, डॉ. संदीप अग्रवाल सहित विभाग के शिक्षकगण एवं परास्नातक के नवप्रवेशित छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को शिक्षा, अर्थशास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन के व्यापक दृष्टिकोण से परिचित कराने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का भी संदेश दिया।

गरौठा गुरसराय पेयजल योजना का लोकार्पण करने पहुंचे ऐके शर्मा, विधायक ने किया स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी. 24 जुलाई को गरौठा एवं गुरसरांय नगर को पेयजल योजना की बड़ी सौगात देने के लिए लखनऊ से आए माननीय मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, उत्तर प्रदेश श्री ए. के. शर्मा जी गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने कार्यकर्ताओं के साथ ढेरी की पुलिया पर स्वागत किया. इस दौरान मंत्रीच्च शर्मा ने गरौठा गुरसरांय पेयजल पुनर्गठन योजना को लेकर जानकारी ली. केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं और उनसे जनता को मिलने वाले लाभ पर भी चर्चा की. मंत्री ने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों में नगरों में शुद्ध एवं स्वच्छ जल पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है इस दिशा में लगातार काम किया जा रहा है और गरौठा गुरसराय पेयजल योजना भी इसी की एक कड़ी है. इसके शुभारंभ के बाद निश्चित तौर पर यहां के नगर वासियों को इसका लाभ मिलेगा. मंत्री एके शर्मा ने गरौठा विधायक जवाहर राजपूत से स्थानीय मुद्दों पर बात की और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर कुल्हड़ मैं चाय पी कर अपनी सहजता और सरलता का परिचय भी दिया.

8 साल से रिलेशन और केवल 2 महीने की शादी, ऑफिस पार्टी से ठीक बाद मिली लाश

मर्डर मिस्ट्री में ये नया एंगल?

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली की लोधी कॉलोनी में 28 साल की नवविवाहिता की रहस्यमयी मौत ने पुलिस को भी उलझाकर रख दिया है। परिवार वाले जहां दहेज हत्या का आरोप लगा रहे हैं तो पुलिस नए एंगल के तलाश में जुट गई है। परिवार वाले आत्महत्या की बात को भी सिरे से खारिज कर रहे हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि वे मामले की हर पहलू से जांच कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, आकृति सुतार की शादी सिर्फ दो महीने पहले ही हुई थी। परिवार के मुताबिक शादी के ढाई महीने बाद पति-पत्नी ने ऑफिस में पार्टी रखने की बात कही थी। लेकिन पार्टी से पहले महिला की हत्या हो गई।

दरअसल,दिल्ली के पुष्प विहार की रहने वाली आकृति सुतार शनिवार शाम दिल्ली की लोधी कॉलोनी में पालिका कुंज स्थित एनडीएमसी फ्लैट्स की तीसरी मंजिल से कथित तौर पर गिरने के बाद गंभीर रूप से घायल हालत में मिलीं। महिला की लाश जिस जगह पर मिली थी वह उसके मायके से मात्र 10 किलोमीटर दूरी पर है। कुछ लोगों ने रात करीब 9 बजे के आसपास उसे सड़क पर पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी। हालांकि, उसके शरीर पर चोट के निशान थे, लेकिन घटनास्थल पर खून के कोई धब्बे नहीं मिले। उसे तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक आकृति सुतार ने अपने ही ऑफिस के सहकर्मी अरस्तू सिक्का से 8 साल के रिश्ते में थी और 24 अप्रैल 2026 को शादी की थी। शादी के बाद दोनों ने ऑफिस में पार्टी रखी थी। लेकिन पार्टी से पहले आकृति की लाश ने सभी को हैरान करके रख दिया। अब परिवार वाले उसके पति अरस्तू पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं, वहीं पुलिस नए एंगल निकाल रही है।आकृति के परिवार ने इस बात को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उसने आत्महत्या की है। उन्होंने बताया कि शादी के लिए छुट्टी लेने के बाद वह 1 जुलाई को काम पर लौटी थी और छुट्टी पर होने के बावजूद शनिवार को ऑफिस गई थी। परिवार के अनुसार, काम से निकलने से पहले उसने अपने सहयोगियों के लिए एक छोटी सी पार्टी भी दी थी।आकृति के चाचा मनंजय सुतार ने आत्महत्या की थ्योरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर वह दुखी थीं या अपनी जान देने की सोच रही थीं, तो वह काम पर लौटने का जश्न क्यों मनातीं? परिवार ने बताया कि आकृति ने शनिवार शाम करीब 6 बजे अपनी मां से बात की थी। बातचीत के दौरान वह सामान्य लग रही थीं, उन्होंने ऑफिस की गैदरिंग के बारे में बात की और बताया कि वह घर लौट रही हैं। रात करीब 8 बजे, उन्हें उनके पति अरास्तु सिक्का का फोन आया, जिसमें बताया गया कि वह लापता हो गई हैं। लगभग 90 मिनट बाद, पुलिस ने परिवार को सूचना दी कि पालिका कुंज में एक महिला का शव मिला है। आकृति के रिश्तेदारों ने उसके पति, अरस्तू सिक्का और उसके परिवार पर शादी के बाद 20 लाख रुपये दहेज की मांग करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मांग को लेकर उसे बार-बार परेशान किया गया और धमकाया गया। परिवार का यह भी दावा है कि अरस्तू ने उसे कई बार जान से मारने की धमकी दी थी और उसकी मौत से ठीक दो दिन पहले पति-पत्नी के बीच तीखी बहस हुई थी। एक रिश्तेदार ने बताया कि यह लव मैरिज थी। रिश्ते की शुरुआत होने से पहले आकृति की दोस्ती अरस्तु की बहन अगस्तिका सिक्का से हुई थी। पुलिस ने बताया कि अरस्तु बेरोजगार है, जबकि उसके पिता सरकारी कर्मचारी हैं। परिवार ने यह सवाल भी उठाया है कि आकृति का शव उसके घर से लगभग 10 किलोमीटर दूर एक ऐसे रिहायशी कॉम्प्लेक्स में क्यों मिला, जहां ज्यादातार घर खाली पड़े थे। उन्होंने घटना स्थल पर खून के धब्बे न होने की ओर इशारा किया और आरोप लगाया कि ऐसा लगता है कि इस घटना की योजना बहुत सोच-समझकर बनाई गई थी।

मर्डर या हादसा, उठ रहे ये सवाल

शादी के 2 महीने में ही दहेज के लिए कोई इतना टॉर्चर कैसे कर सकता है?

दोनों ने ऑफिस में शादी की पार्टी रखी थी फिर अचानक आत्महत्या या मर्डर क्यों?

8 साल से रिश्ते में थे दोनों फिर 2 महीने में मतभेद कैसे?

क्या इस मौत में किसी और का हाथ है?

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718